दैनिक
सच्चे दिन

वर्ष-06 | अंक-208 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 2 नवंबर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

मोदी बोले- 6 साल में रोजग़ार के 13.4 करोड़ मौके बने

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90त्न तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।

पीएम बोले- गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 2.6प्रतिशत रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20त्न से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना करीब 400 रुपए (4.20 डॉलर) से कम कमाने वाले लोगों की आबादी 57.7त्न से घटकर 16.1त्न रह गई है। अनुमान है कि 2028 तक यह आंकड़ा 12.1त्न हो जाएगा।



रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार

गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8प्रतिशत आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी।

गरीबी घटने की 3 वजह

- **लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ी:** आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है।
- **ग्रामीण महिलाओं को काम मिला:** 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं।
- **सरकारी योजनाओं से मदद:** मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला।

पंजाब में आप के 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ी

केजरीवाल की गारंटियां पूरी नहीं हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी), पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। हालांकि अभी इनकी सीट से कोई नया उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है। जौड़ामाजरा आप सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दोनों विधायकों ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में नशा, फसलों पर एमएसपी, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जो-जो गारंटियां दी थीं, वह पूरी नहीं हुईं। पठानमाजरा बोले- पूर्व मंत्री बीजेपी में जॉइन कराने ले गए थे विधायक ने हरमीत सिंह पठानमारा ने कहा किसी का भी दिल भी नहीं करता, जिस पार्टी से एमएलए बने हो, उसे छोड़ दिया जाए।



प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए नई एमएसएमई औद्योगिक विकास कंपनी का गठन होगा: मुख्यमंत्री

निजी निवेशक भी बना सकेंगे औद्योगिक पार्क

भोपाल। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश के औद्योगिक एवं उद्यमिता क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए एक नई एमएसएमई औद्योगिक विकास कंपनी एमएसएमई-आईडीसी का गठन करेगी। यह कंपनी सभी क्षेत्रों में समान रूप से अधोसंरचना, भूमि सहित उद्योग संबंधी आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम जिस प्रकार बड़े उद्योगों अर्थात 500 करोड़ से अधिक के निवेश के लिए कार्य कर रहा है, उसी तर्ज पर यह नई कंपनी पूरी तरह एमएसएमई क्षेत्र के प्रोत्साहन और विकास के लिए समर्पित होगी। यह राज्य शासन के पूर्ण



देश आत्मनिर्भरता की ओर है अग्रसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की कुशल नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम संकट और आपूर्ति संबंधी चुनौतियों के बावजूद देश में पेट्रोलियम की उपलब्धता सुचारु बनी हुई है। उनके नेतृत्व में तेजी से ऊर्जा क्षमता बढ़ रही है और हम आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। प्रदेश का भविष्य निवेश, उद्योग और नवाचार पर आधारित है। वर्ष 2025-26 में 220 हैक्टेयर भूमि पर 13 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए, वहीं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत हजारों लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है।

मुख्यमंत्री की ओर से दीपावली गिफ्ट प्रोत्साहन राशि

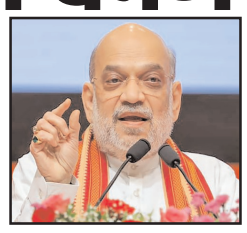
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि आज एमएसएमई और स्टार्ट-अप को जो अनुदान और प्रोत्साहन राशि मिल रही है वह मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्य सरकार की ओर से उद्यमियों के लिए दीपावली गिफ्ट है। दीपावली से पहले किया गया आज का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव की संवेदनशील और सहयो गात्मक सोच के परिणाम स्वरुप ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विचार था कि उद्यमियों को भी दीपावली पर कुछ न कुछ मिलना ही चाहिए।

नवाचारों और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

राज्य सरकार उद्यमियों के नवाचारों और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगीमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 75 औद्योगिक भूखंडों के लिए आशय-पत्र प्रदान किए। इनसे लगभग 83 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है, जिससे 640 रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा उद्यमियों से निवेश, भविष्य की योजनाओं एवं औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

चंडी'ढ़ में शाह बोले-

राहुल कभी पीएम नहीं बनेंगे



चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार (1 नवंबर) को चंडीगढ़ पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में 250 करोड़ के 9 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सोनिया का सपना है कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह सपना पूरा नहीं हो रहा। अब उन्होंने मॉक पार्लियामेंट करने का नया तरीका तलाशा है। शाह ने कहा कि मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि अगर आपको प्रधानमंत्री बनना है तो पूरा जीवन मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए।

शाह बोले- अगले 5 साल विपक्ष में बैठने को रहें तैयार

इससे पहले वह चंडीगढ़ पुलिस के स्थापना दिवस पर सेक्टर-26 स्थित पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। इस दौरान चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति सम्मान से नवाजा गया।

शाह बोले- चंडीगढ़ सबसे पहले नशामुक्त होगा

इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि पंजाब के नजदीक होने के बावजूद चंडीगढ़ देश का सबसे पहले नशामुक्त होने वाला शहर बनेगा। एनडीपीएस के मामलों में नए कानून आने के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने 93 प्रतिशत आरोपियों को जेल भेजा है।

ईपीएफओ ने वॉट्सएप सर्विसेज शुरू की

डिएक्टिव खातों का ऑटो-मैटिक सेटलमेंट होगा



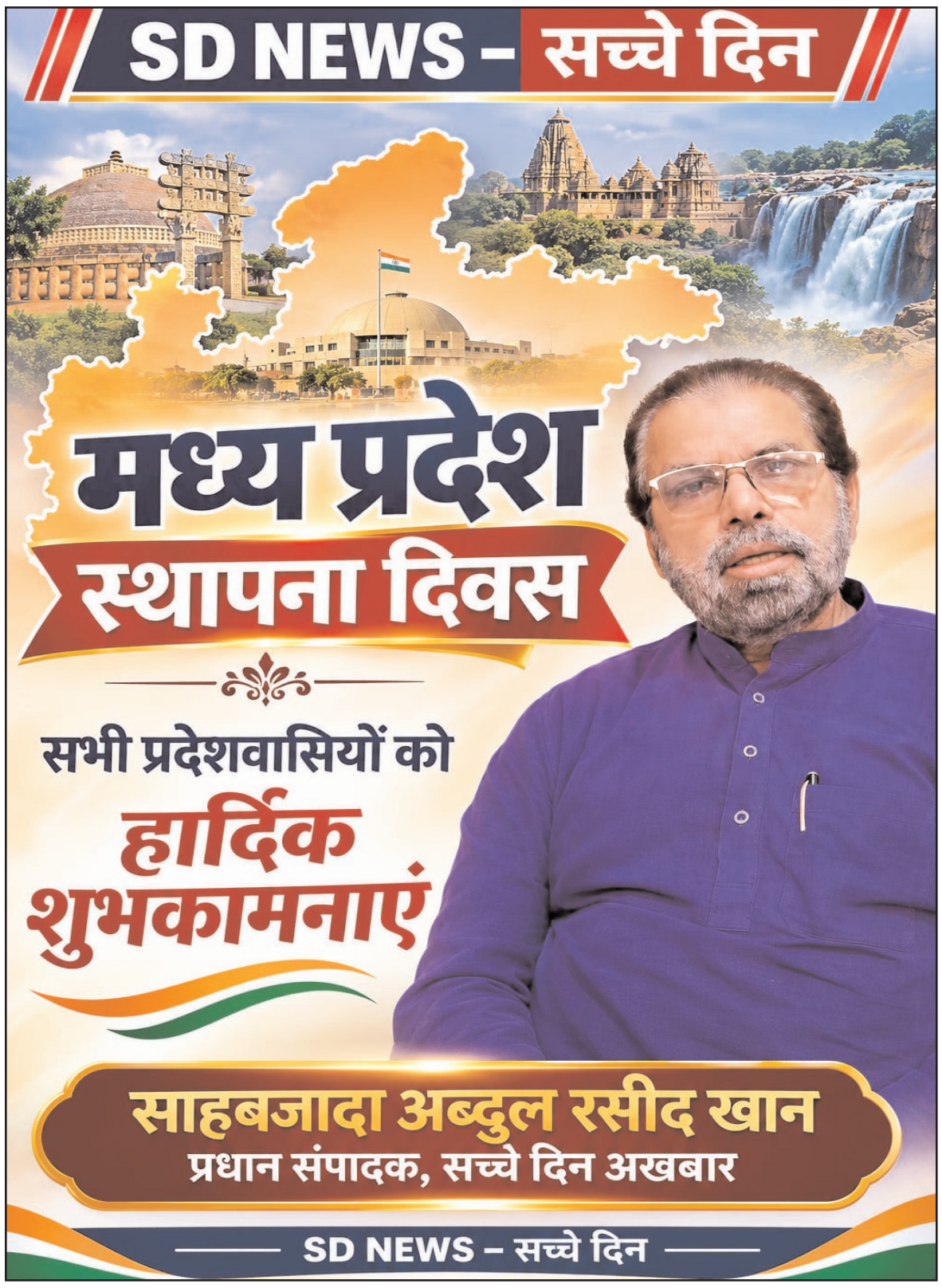
नई दिल्ली, एजेंसी। एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) ने अपने करोड़ों पीएफ खाताधारकों के लिए नियमों और सुविधाओं को बहुत आसान बना दिया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को ईपीएफओ के 74वें स्थापना दिवस पर दो बड़ी सुविधाओं की शुरुआत की पहला- वॉट्सएप सर्विसेज और दूसरा- बंद या डिएक्टिव ईपीएफओ खातों का ऑटोमैटिक सेटलमेंट यानी अपने आप पैसा ट्रांसफर होगा। सवाल-जवाब में वॉट्सएप सर्विसेज और ऑटोमैटिक सेटलमेंट जैसी सुविधाओं के बारे में जानें... सवाल- ईपीएफओ ने वॉट्सएप पर कौन-कौन सी नई सर्विसेज शुरू की हैं? जवाब- ईपीएफओ के वेरीफाइड वॉट्सएप नंबर के जरिए अब एम्पलाई प्रोविडेंट फंड खाताधारक कई सुविधाएं सीधे अपने मोबाइल पर पा सकेंगे। इसके तहत पीएफ बैलेंस चेक करना, पिछले 5 लेनदेन की जानकारी लेना और पासबुक इंफॉर्मेशन देखना शामिल है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजन से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्सनल गाइडेंस और मदद भी वॉट्सएप पर उपलब्ध कराई जाएगी।

राहुल बोले-

मेरी बात सच होगी ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे



नई दिल्ली, एजेंसी। अलग-अलग पार्टियां, मकसद एक- ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने दो दिन से दिल्ली में डेरा डाल रखा है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग पास किया तो रविवार को सोनिया समेत राहुल, प्रियंका, अखिलेश, ममता और तेजस्वी बाकी नेताओं के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार CEC के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे। रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले समेत INDIA ब्लॉक के कई नेता मौजूद रहे। 8 नेताओं ने स्पीच दी। SIR और ज्ञानेश कुमार के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हुए थे। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल कहते हैं कि 2024 का चुनाव अवैध था।



दिल्ली- प्रदूषण रोकने के लिए आज से पाबंदियां

एनसीआर में 50प्र वर्क फॉम होम, पुरानी गाड़ियों पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए 1 नवंबर से नई पाबंदियां लागू हो गई हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड बीएस-6 से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी। सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में 50त्न कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। वहीं, कई पब्लिक पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने की फीस दोगुनी कर दी गई है। हालांकि, राहत की बात है कि दिल्ली में अक्टूबर के दौरान पिछले 9 साल में सबसे साफ हवा दर्ज की गई।



हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगा विंटर प्लान

दिल्ली सरकार ने जुलाई 2026 में प्रदूषण रोकने के लिए विंटर प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण से जुड़े नियम लागू रहेंगे। इस बार भी 1 नवंबर से इन प्रतिबंधों की शुरुआत हो गई है। पहले प्रदूषण बढ़ने के बाद ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत पाबंदियां लगाई जाती थीं। लेकिन अब कुछ नियम पहले से तय तारीख पर लागू होंगे। यानी हवा खराब होने का इंतजार नहीं किया जाएगा।

ईरान के 1-2 ठिकाने उड़ाने बाकी

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को फोन पर बातचीत की। ट्रम्प ने इसके बाद रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकाने अभी उड़ाना बाकी हैं। यह तारीख अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है।अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा सिस्टम, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने हमले की तैयारी कर ली है।

सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में तेजी लाएं साथ ही आमजन की सुविधा का रखें ध्यान-कलेक्टर श्री सिंह

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का किया निरीक्षण, परिवर्तित मार्ग के संकेतक लगाने और चरणबद्ध निर्माण के दिए निर्देश

उज्जैन । सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत शहर में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्यों को गति देने के साथ ही आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने दिए। शनिवार को कलेक्टर श्री सिंह ने शहरी क्षेत्र में निर्माणाधीन विभिन्न मार्गों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के कारण आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यस्थल पर परिवर्तित मार्ग के स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं, ताकि नागरिकों को आवागमन के वैकल्पिक मार्ग की जानकारी आसानी से मिल सके। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग निर्माण का कार्य एक ओर से पूर्ण करने के बाद ही दूसरी ओर कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे मार्ग को पूरी तरह बंद करने की स्थिति निर्मित न हो और यातायात सुचारु बना रहे। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नेहा जैन



भी मौजूद रहीं।

नियमित निरीक्षण के तहत कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के माध्यम से नीलकंठ द्वार से महाकाल मंदिर चौराहा तक किए जा रहे 400 मीटर लंबे एवं 24 मीटर चौड़े मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इसके साथ ही चौबीस खंबा से हरसिद्धि की पाल तक 600 मीटर लंबे एवं 18 मीटर चौड़े, गुदरी चौराहा से हरसिद्धि की पाल तक 450 मीटर लंबे एवं 15 मीटर चौड़े, हरसिद्धि की पाल से रामघाट तक 250 मीटर लंबे एवं 18 मीटर चौड़े तथा रामानुजकोट से दानीगेट तक 450 मीटर लंबे एवं 18 मीटर चौड़े मार्ग के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्मार्ट सिटी के माध्यम से निर्माणाधीन महाराजवाड़ा से चौबीस खंबा तक मार्ग के कार्यों का निरीक्षण करने के साथ ही बंबईवालों की धर्मशाला में प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी भी प्राप्त की। मार्ग चौड़ीकरण कार्यों के दौरान कलेक्टर ने डिवाइडर में प्लांटेशन करने तथा बिल्डिंग लाइन का कार्य पूर्ण होने के बाद नाली निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि नाली निर्माण के लिए प्रीकास्ट सामग्री उपलब्ध नही हो तो आरसीसी से नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि कार्य में अनावश्यक विलंब न हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्मार्ट सिटी के महाराजवाड़ा से चौबीस खंबा की ओर आ रहे मार्ग के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चौराहे की बेहतर प्लानिंग करने तथा पुरानी दीवार की सुरक्षा के लिए गेबियन वॉल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने रामानुजकोट तिराहे पर सीवरेज व्यवस्था की जानकारी भी इंजीनियरों से ली।बंबईवालों की धर्मशाला में प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने सभी निर्माण कार्यों को तेज गति से गुणवत्तापूर्ण के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर सहित नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारी, इंजीनियर तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चुनौतियों को पछाड़कर रचें इतिहास-70वें आधारशिला दिवस पर पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया ने युवाओं में भरा नया जोश



उज्जैन ।7 दिनों तक साहित्यिक,सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के माधव भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में 70वाँ आधारशिला दिवस एवं सम्राट विक्रमादित्य कौटिल्य अलंकरण समारोह-2026 संपन्न हुआ। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कृति और प्रेरणा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पैरा तैराक और पद्म श्री (2024) से सम्मानित डॉ. सत्येंद्र सिंह लोहिया उपस्थित रहे। डॉ. लोहिया, जो इंग्लिश चैनल और कैटिना चैनल पार करने वाले पहले भारतीय हैं और मध्य प्रदेश सरकार के सर्वोच्च विक्रम पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं, ने कार्यक्रम के दौरान उद्यमी व नवचारी विद्यार्थियों को सम्राट विक्रमादित्य कौटिल्य अलंकरण से सम्मानित किया। इसके अलावा, साहित्य व शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. मीठी शर्मा को भी उनकी चार पुस्तकों के संपादन हेतु सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. लोहिया ने कहा कि शारीरिक सीमाएं या दिव्यांगता कभी किसी की कमजोरी नहीं बन सकती। यदि इंसान का हौसला और लक्ष्य पक्का हो, तो दृढ़ इच्छाशक्ति और अनुशासन के बल पर हर चुनौती को पार किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से बहाने छोड़ सपने देखने और उन्हें पूरा करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि हमारी प्राचीन परंपराएं और संस्कृति ही हमारी असली पहचान हैं, जो युवाओं में देशप्रेम और सृजनात्मकता का संचार करती हैं।

प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने आयोजन को विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास और अनुशासन का प्रतीक बताया।

यह पहला अवसर था जब विश्वविद्यालय का आधारशिला दिवस 7 दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया गया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (ढ्ढक्कष्ट) के समन्वयक प्रो. उमेश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ डिग्री देना नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पित और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। उन्होंने हाल ही में आयोजित तिरंगा यात्रा का विशेष उल्लेख किया।

समारोह के दौरान श्री अशोक भाटी द्वारा लिखित प्रशस्ति गीत को अंगीकार किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं (यश वर्मा, पलक, पार्श्व, अहाना, सृजन, कुणाल, दिव्यांशु, अलफ़रीदा, दीपशिवम, जिया, समर्थ और मान्या गढ़वाल) ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारत की सांस्कृतिक विविधता को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री मान्या गढ़वाल ने किया तथा कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर शासकीय विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित



उज्जैन। किशोरावस्था के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, संतुलित आहार, योग और जीवन मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक।

आयुष विभाग द्वारा जीवाजीगंज एवं भैरवगढ़ के शासकीय विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान और राष्ट्रीय एकता का महत्व बताया गया। अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली।

प्रदेश के सभी जिलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस



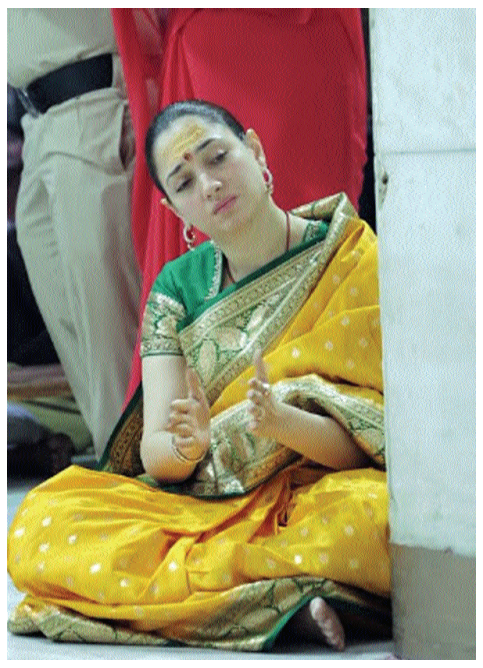
उज्जैन। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री तथा उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे कालिदास अकादमी परिसर स्थित पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल सभागृह में आयोजित होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में एडीएम श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम में आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा एवं पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक गतिविधियों एवं उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जिला मुख्यालय पर 1 नवंबर की रात्रि को प्रमुख शासकीय भवनों में आकर्षक प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी।

इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री संदीप सिंह सहित नगर निगम, जिला पंचायत, उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, खाद्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

तमन्ना भाटिया ने किए महाकाल दर्शन



उज्जैन। विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए शनिवार को फिल्मी हस्तियां उज्जैन पहुंचीं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और अभिनेता विनीत शर्मा ने बाबा महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन-पूजन किया।

तमन्ना भाटिया ने भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए और मंदिर की धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक हिमांशु कारपेंटर एवं इंजीनियर शिवकांत पांडे ने तमन्ना भाटिया का स्वागत एवं सत्कार किया।

वहीं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विनीत शर्मा ने भी भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। दोनों फिल्मी कलाकारों के मंदिर पहुंचने की जानकारी मिलने पर श्रद्धालुओं में भी उत्साह नजर आया। मंदिर परिसर में सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था के बीच दोनों ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

स्वास्थ्य सेवा ही पहला और आखिरी कर्तव्य – एमआर मंसूरी



उज्जैन। न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय सचिव एवं महिदपुर ब्लॉक के मलेरिया इंस्पेक्टर संजय सिसोदिया 35 वर्ष 6 माह की बेदाग सेवा के बाद 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर जिला मलेरिया कार्यालय में उनका विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह जिला मलेरिया अधिकारी डीएस सिसोदिया की अध्यक्षता, राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव व एनबीएसके के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र अहिरवार के आतिथ्य तथा न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी, जिलाध्यक्ष एसपी अहिरवार, संभागीय उपाध्यक्ष एलएन गहलोत, जिला सचिव परमानंद कटारिया, जिला प्रवक्ता संजय पुरैया और ललित नागर के नेतृत्व में हुआ। अतिथियों ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर, मिठाई खिलाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।जिला मलेरिया अधिकारी ने सिसोदिया के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें कर्तव्य के प्रति सदैव ईमानदार बताया। संघ के संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी ने कहा कि संजय सिसोदिया ने अपने कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा को ही अपना पहला और आखिरी कर्तव्य माना, राष्ट्रीय हित में काम करने वाले ऐसे आदर्श व्यक्तित्व का हम हृदय से सम्मान करते हैं। राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव और जिलाध्यक्ष एसपी अहिरवार ने उनके सौम्य व्यवहार की प्रशंसा की। कार्यक्रम में केएस परमार, विनोद कुमार जोशी, नानूराम मिमरोट, महेश गोड़, अमृतलाल देवड़ा, मनोज मंडल, राजेश सिसोदिया, रजनीश सिसोदिया, गोपाल जायसवाल, चंदन सिंह हाड़ा, राजेंद्र गोयल, शिव सिंह गुजराती, देवी सिंह पवार और राम श्याम कश्यप आदि उपस्थित थे। संचालन विनोद कुमार जोशी ने किया तथा आभार ललित नागर ने माना।

सरदार पटेल ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने में निभाई ऐतिहासिक भूमिका

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को किया रवाना

उज्जैन । भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पुलिस बल तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के समन्वय से 3 से 5 किलोमीटर की 'रन फॉर यूनिटी' (एकता दौड़) का आयोजन किया गया।

दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री संजय अग्रवाल, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने में दिए गए अतुल्यनीय योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेकर हमें एकजुटता के साथ रहना चाहिए, सभी के प्रति सद्भाव की भावना रखते हुए राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। अतिथियों ने सरदार पटेल के देशसेवा के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इसके बाद जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया। एकता दौड़ दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर यूपीएस स्कूल तिराहा, तीन बत्ती चौराहा, इंदिरा गांधी प्रतिमा, टॉवर चौक, शहीद पार्क, घास मंडी चौराहा, पुलिस कंट्रोल रूम और सुराना पैलेस होते हुए वापस दशहरा मैदान पहुंची, जहां दौड़ का समापन हुआ।



राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई

कार्यक्रम के दौरान एडीजी श्री राकेश गुप्ता ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों एवं युवाओं को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सभी ने संकल्प लिया–÷मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूं।

पुष्य नक्षत्र पर आज बच्चों का होगा स्वर्णप्राशन संस्कार



उज्जैन। बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास के लिए पुष्य नक्षत्र के अवसर पर आज रविवार 1 नवंबर को स्वर्णप्राशन संस्कार शिविर आयोजित किया जा रहा है। फ्रीगंज स्थित धन्वंतरि आयुर्वेद में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। एमडी बालरोग विशेषज्ञ डॉ. दीक्षा शर्मा के मार्गदर्शन में बच्चों को पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धति से औषधि पिलाई जाएगी। आयुर्वेद के अनुसार स्वर्णप्राशन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्मरण शक्ति और शारीरिक-मानसिक विकास में तेजी से वृद्धि होती है।

उज्जैन के अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर माखन सिंह राजपूत को मिला राष्ट्रीय स्पेशल खेल अवार्ड



उज्जैन। शहर के अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर एवं मध्यप्रदेश दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान माखन सिंह राजपूत को राष्ट्रीय स्पेशल खेल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। भोपाल स्थित जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स टाइम के 31वें स्पोर्ट्स अवॉर्ड समारोह में पूर्व भारतीय क्रिकेटर जेपी यादव और पूर्व रणजी खिलाड़ी बृजेश सिंह तोमर ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें यह विशेष सम्मान क्रिकेट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेल उपलब्धियों और नेतृत्व क्षमता के लिए दिया गया है।

माखन सिंह राजपूत ने जनवरी 2020 में मध्यप्रदेश दिव्यांग क्रिकेट टीम में पदार्पण किया था। फरवरी 2021 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने बेस्ट बॉलर अवॉर्ड प्राप्त किया। मार्च 2021 में उनका चयन दुबई एवं शारजाह यूएई में आयोजित दिव्यांग प्रीमियर लीग डीपीएल के लिए हुआ, जहां उन्होंने मुंबई आइडियल्स टीम का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2022 में नेपाल दौरे के लिए भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में चयनित होकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 2024 में उन्हें नेशनल दिव्यांग प्रीमियर लीग के लिए कप्तान चुना गया। उनकी कप्तानी में मध्यप्रदेश की टीम मार्च 2025 में उपविजेता बनी और दिसंबर 2025 में आयोजित पूंछ कप में भी उपविजेता रही। वर्ष 2026 में माखन सिंह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की टीम ने पटना में आयोजित दिव्यांग चैलेंजर ट्रॉफी जीती। वहीं अक्टूबर 2026 में आगरा में आयोजित रेडिएंट वर्ल्ड पैरा क्रिकेट लीग में राजस्थान स्ट्राइकर्स टीम की ओर से खेलते हुए उन्होंने शानदार गेंदबाजी कर 3 विकेट हासिल किए।

मक्का, सोया किसानों के हित में अवकाश में भी खुलेंगी मंडी

इन्दौर। राज्य सरकार सोयाबीन और मक्का उत्पादन किसानों के लिए हितों की संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सोया और मक्का उत्पादन किसानों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों में भी खरीदी के लिए मंडियाँ खुली रखने का निर्णय लिया गया है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंडी बोर्ड के सभी संयुक्त संचालक को निर्देश दिए गए है कि वे अवकाश के दिनों में भी किसानों के लिए मंडी खुली रखें। वर्तमान में प्रदेश की मंडियों में अधिसूचित कृषि उपज की आवक अधिक मात्रा में हो रही है। इस अवधि में कृषकों को अपनी कृषि उपज का शीघ्र विक्रय कर उसकी राशि प्राप्त करने की आवश्यकता रहती है। ऐसी स्थिति में मंडियों में अवकाश रहने से कृषकों को अपनी उपज के विक्रय के लिये आगामी कार्य दिवस तक प्रतीक्षा करनती पड़ सकती है, जिससे न केवल कृषि उपज के विक्रय में विलंब होगा, बल्कि कृषकों को आर्थिक एवं व्यावहारिक असुविधा का सामना भी करना पड़ेगा। कृषकों की सुविधा एवं उनके हितों को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि अवकाश दिवसों में भी मंडियों में कृषि उपज के विपणन की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे।

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में बिरादर सिंडिकेट का अवैध खेल: कुनुक नदी में जेसीबी से चीरकर निकाली जा रही रेत, खसरा नंबर 1840 और 375 पर चल रहा अवैध स्टॉक का काला कारोबार

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुनुक नदी (तितरा-खैरहनी) का इलाका इन दिनों अवैध रेत माफियाओं और एक खास बिरादर सिंडिकेट का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। खनिज संपदा और पर्यावरण को लूटने के लिए इन कारोबारियों ने सारे प्रशासनिक नियमों को ताक पर रख दिया है। हैरानी की बात यह है कि बेखौफ होकर नदी के सीने पर भारी-भरकम जेसीबी मशीनें उतारी जा रही हैं और अपने ही बिरादरों को आगे कर इस काले कारोबार को बेधड़क अंजाम दिया जा रहा है।



बिरादरों को सौंपी कमान, जेसीबी से हो रहा अंधाधुंध उत्खनन

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, गलहथा-डोंगरी टोला के रेत माफियाओं ने आपसी बिरादरी का गठजोड़ तैयार कर रखा है। खैरहनी क्षेत्र में अपने ही बिरादर की जेसीबी मशीनें लगवाकर कुनुक नदी से अवैध उत्खनन की खुली जिम्मेदारी संभाल ली गई है। नदी की जलधारा और पर्यावरण को दरकिनार कर मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर रेत का दोहन किया जा रहा है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि जैतपुर क्षेत्र में खनन माफियाओं के आगे पूरा तंत्र नतमस्तक हो चुका है।

खसरा नंबर 1840 और 375 पर धड़ल्ले से हो रहा अवैध स्टॉक

नदी से अवैध रूप से निकाली गई रेत को खपाने के लिए माफियाओं ने सुनियोजित तरीके से ठिकाने बना रखे हैं। प्राप्त पुख्ता जानकारी और डिजिटल नक्शा साक्ष्यों के अनुसार, उत्खनन के बाद रेत को खैरहनी के खसरा क्रमांक 1840 व 375 के पास बड़े पैमाने पर डंप (स्टॉक) किया जाता है। यहीं से सुनियोजित तरीके से ट्रकों और मिनी ट्रकों में लोड कर इसे बाजार में खपाया जा रहा है।

जंगल के रास्तों से चल रही सप्लाई लाइन

मुख्य सड़कों और पुलिस-प्रशासन की चेकिंग से बचने के लिए इस बिरादर सिंडिकेट ने अंदरूनी और गुप्त रास्तों का जाल बिछा रखा है: जंगल से निकासी: जेसीबी से लोड की गई रेत से भरे मिनी ट्रक बदोडी, घोरवे और नौगई जंगल के रास्तों से होते हुए बाहर ही बाहर सुरक्षित निकाले जा रहे हैं। लंबा परिवहन नेटवर्क: यह गाड़ियाँ खैरहनी से घोरवे, नौगई, नवलपुर और धुरवार के रास्ते शहडोल तक पहुंच रही हैं, जबकि दूसरी तरफ बुढ़ार और बिरहुली मार्ग से भी इनका अवैध परिवहन जोरों पर है।

दिन-रात फेरे: इस सिंडिकेट के जरिए रोजाना दर्जनों मिनी ट्रक तीन-तीन फेरे लगाकर इस अवैध कारोबार को चला रहे हैं।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठ रहे गंभीर सवाल

जैतपुर क्षेत्र में जिस तरह खुलेआम जेसीबी गरज रही हैं, खसरा नंबर 1840 व 375 पर अवैध स्टॉक किया जा रहा है और बिरादरी के दम पर कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उससे स्थानीय प्रशासन और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर बहुत बड़े सवाल खड़े होते हैं।

क्या सिस्टम की खामोशी ही इन माफियाओं की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है कुनुक नदी, जंगलों और शासकीय जमीनों को बचाने के लिए अब यह जरूरी हो गया है कि इस बिरादर सिंडिकेट, अवैध स्टॉक स्थलों और जेसीबी मशीनों पर त्वरित व कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

जिले के धनपुरी में एसईसीएल से चोरी का माल बुढ़ार थाना क्षेत्र के कबाड़ माफिया के गोदामों तक: खाकी के साये में फल-फूल रहा काला कारोबार



शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र में अवैध कबाड़ का साम्राज्य अब पूरी तरह से बेनकाब होता जा रहा है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्वष्टरु) की विभिन्न खदानों और परिसरों से बेसकीमती लोहे, तांबे के तारों और भारी उपकरणों की हो रही लगातार चोरियों का अंतत: एक ही ठिकाना नजर आ रहा है—बुढ़ार थाना क्षेत्र में संचालित कबाड़ माफियाओं के अवैध गोदाम।

एसईसीएल खदानों से चोरी और सीधे कबाड़ियों तक सप्लाई

क्षेत्र में चर्चा आम है और पुख्ता सूत्र बताते हैं कि स्वष्टरु की खदानों से सुनियोजित तरीके से चोरी किया गया सामान सीधे बुढ़ार थाना क्षेत्र के मुख्य कबाड़ सरगनाओं और कबाड़ियों के यहां खप रहा है। आंतरिक और बाहरी मिलीभगत: खदान परिसरों से कर्मचारियों और बाहरी चोरों की जुगबंदी से निकलने वाला लोहा और तांबा सुरक्षित रास्तों से होते हुए रात के अंधेरे में सीधे बुढ़ार के इन अवैध कबाड़ ठिकानों पर पहुंचता है। खुलेआम संचालित गोदाम: हैरानी इस बात की है कि इतना बड़ा अवैध नेटवर्क संचालित होने के बावजूद बुढ़ार थाना क्षेत्र में सक्रिय कबाड़ माफियाओं के ठिकाने पुलिस की नजरों से ओझल कैसे हैं, जबकि हर कोई जानता है कि चोरी का यह माल कहां खप रहा है।

बुढ़ार पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

जब एसईसीएल जैसी केंद्रीय संपत्तियों से रोजाना बेसकीमती सामान चोरी होकर बुढ़ार थाना क्षेत्र के कबाड़ गोदामों में पहुंच रहा है, तो स्थानीय पुलिस की चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े करती है। एंट्री के खेल में मौन साधे खाकी: कबाड़ माफियाओं और स्थानीय पुलिस के बीच कथित साठगांठ के चलते इन अवैध ठिकानों पर प्रभावी छापेमारी करने से पुलिस कतराती है। संरक्षण में पनपता कारोबार: जब तक थानों से इन कबाड़ कारोबारियों को खुला संरक्षण मिलता रहेगा, तब तक सरकारी और केंद्रीय उपक्रमों को यूं ही चूना लगता रहेगा।

एसईसीएल की संपत्ति की लूट और बुढ़ार थाना क्षेत्र में फल-फूल रहे इस कबाड़ सिंडिकेट के हर एक तार को खंगालने के लिए चोरी के इस माल को खरीदने वाले कबाड़ माफियाओं और उन्हें संरक्षण देने वाले चेहरों को बेनकाब करने का सिलसिला जारी रहेगा। क्या उच्च प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के जिम्मेदार इस नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करेंगे

भदौरा के जंगल में आबाद हो रहा था बल्ली निषाद का जुआं फड़, एसपी की विशेष टीम ने दी दबिश, फड़ संचालक सहित 13 जुआरी गिरफ्तार, 8 फरार, 12.85 लाख का माल बरामद

उमरिया। (अविरल गौतम) कटनी बड़वारा थाना क्षेत्र इन दिनों जुआरियों के लिए सुरक्षित पनाहगार बना हुआ है। त्योहारों के दौरान बीते लगभग 1 महीने से बड़वारा थाना क्षेत्र में संचालित हो रहे बड़े जुआं फड़ का भांडा गत रात्री कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा कराई गई एक विशेष कार्यवाही के बाद फूट गया।

बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम भदौरा मझगवां के घने जंगल में महुआ पेड़ के नीचे लंबे समय से संचालित हो रही जुए के बड़े फड़ पर पुलिस अधीक्षक की विशेष टीम ने सीधे दबिश दी। कार्रवाई के दौरान जुआं फड़ संचालित करने वाले बल्ली निषाद सहित 13 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा।

रोज जमती थी फड़, उजाले के लिए लगी थी एलईडी लाइट

सूत्रों से प्राप्त जानकारियों के मुताबिक, बड़वारा थाना क्षेत्र के घने जंगल में जुए की यह महफिल कोई एक-दो दिन से नहीं, बल्कि लगभग एक महीने से हर रोज नियमित रूप से सजती थी।

जुआरियों के ऐश-ओ-आराम और खेल के दौरान किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए बाकायदा उजाले के लिए एलईडी लाइट तक के पुख्ता व्यवस्था की गई थी। इस फड़ पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि विशेष रूप से कटनी शहर से भी शातिर जुआरी अपनी गाड़ियों से दाव लगाने पहुंचते थे। इतने बड़े स्तर पर चल रहे इस अवैध कारोबार की भनक स्थानीय पुलिस को न लगना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

एसपी की स्पेशल टीम ने मारा छापा, 12.85 लाख की जब्ती

प्राप्त आधिकारिक विवरण के अनुसार, यह कार्रवाई 31 अक्टूबर 2026 की रात लगभग 11:45 बजे (23:45 बजे) की गई। इस संबंध में थाना बड़वारा में अपराध क्रमांक 643/26, धारा 112(2) बीएनएस एवं 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 80,500 रुपए नगद, 04 गड्डी ताश पत्ते, प्लास्टिक की पन्नी, एलईडी लाइट, आरोपियों के मोबाइल फोन तथा जुआरियों द्वारा प्रयुक्त की जा रही 08 मोटर साइकिलों (क्रमांक MP21MS0864, MP 21ZA2720, MP21ZB 3081, MP 21 ZH 9350, MP21S 2594, MP21ZH3022, MP21 ZA4125, MP21ZF2892) को जप्त किया है। जप्तशुदा कुल



संपत्ति की अनुमानित कीमत 12,85,700 रुपए आंकी गई है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 13 जुआरियों को धर दबोचा, जिनमें बल्ली निषाद (50 वर्ष) निवासी खिरहनी फाटक थाना कोतवाली, अनामिक बनर्जी (34 वर्ष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, गौतम बधवा, थाना कोतवाली, प्रिंस पाण्डेय (21 वर्ष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, देशहाई माता मंदिर, थाना कोतवाली, अंकित बरगाही (22 वर्ष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, देशहाई माता मंदिर, थाना कोतवाली, जुनैद खान (32 वर्ष) निवासी तिलक कॉलेज, प्रेमनगर थाना एनकेजे, राज निषाद (32 वर्ष) निवासी बड़ी खिरहनी, दुर्गा चौक, मुकेश कुमार पटेल (26 वर्ष) निवासी कंटगीकला, पुष्पराज सिंह (43 वर्ष) निवासी राजीव गांधी वार्ड, गोल्डन स्कूल के पास, थाना कोतवाली, बसंत शर्मा (58 वर्ष) निवासी एनकेजे मेन मार्केट, संजय बारसकर (53 वर्ष) निवासी संतनगर थाना कोतवाली, संदीप गुप्ता (41 वर्ष) निवासी गायत्री नगर थाना कोतवाली, अजय साहू (39 वर्ष) निवासी शास्त्री कॉलोनी थाना कोतवाली, आनंद निषाद (42 वर्ष) निवासी खिरहनी फाटक वार्ड नंबर 13 थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया गया।

वहीं, कार्रवाई के दौरान अंधेरे और जंगल का लाभ उठाकर साहिल दाहिया, संत कुमार भारती, सुरेन्द्र चौधरी, अमन निषाद, रामदास केवट, संजय नेपाली, अरबाज खान व सागर निषाद सहित 8 आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

स्थानीय पुलिस की भूमिका संदिग्ध, कटघरे में कार्यप्रणाली

इस पूरे घटना में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस क्षेत्र में रोजाना लाइट जलाकर जुए का बड़ा अड्डा संचालित हो रहा हो और कटनी से वाहन लेकर लोग पहुंच रहे हों, वहां की स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक न लगना असंभव सा प्रतीत होता है। यदि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा को इस गैर-कानूनी गतिविधि की शिकायत सीधे मिलती है और उन्हें स्थानीय थाने को दरकिनार कर विशेष टीम भेजनी पड़ती है, तो यह साफ तौर पर स्थानीय पुलिस की भूमिका को संदिग्ध साबित करता है।

बड़वारा क्षेत्र में स्पेशल टीम की इस रेड और हर रोज जमने वाली इस फड़ के खुलासे ने स्थानीय थाने की मिलीभगत की आशंकाओं को और पुख्ता कर दिया है।

क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और मनमानी की शिकायतों के बीच इस घटना ने स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था की पोल खोल दी है।

फिलहाल, 13 आरोपियों की गिरफ्तारी और लाखों की जब्ती के बाद अब निगाहें पुलिस अधीक्षक के अगले कदम पर टिकी है, क्या केवल जुआरियों पर वैधानिक शिकंजा कसेगा या फिर संदिग्ध भूमिका निभाने वाले स्थानीय स्तर के जिम्मेदारों पर भी विभागीय गाज गिरेगी।

जिले के बुढ़ार में खाकी पर गंभीर आरोप: अधिवक्ता को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, सिर फूटा, कान जख्मी; बचाने पहुंचे साथियों पर भी बरसीं लाठियां

शहडोल। (दीपक द्विवेदी) कानून की किताबों में दर्ज अधिकार और वर्दी की जिम्मेदारी उस वक्त सवालों के घेरे में आ गई, जब बुढ़ार में एक अधिवक्ता के साथ कथित पुलिसिया मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता को इस कदर पीटा कि उनका सिर फट गया, कान में चोट आई और शरीर पर जगह-जगह लाठियों के निशान उभर आए। इतना ही नहीं, जब उनके साथी उन्हें बचाने के लिए आगे आए तो कथित तौर पर उन्हें भी पुलिस की मार झेलनी पड़ी। घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बुढ़ार थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती के समीप रहने वाले अधिवक्ता अभिनव पाठक अपने कुछ साथियों के साथ दुर्गा पंडाल में हिसाब-किताब का काम पूरा कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनका समूह बुढ़ार बस स्टैंड के पास पहुंचा। बताया जा रहा है कि अधिवक्ता अपने साथियों के साथ फोन पर बातचीत कर रहे थे, तभी पुलिस वाहन से पहुंचे बुढ़ार थाने के कुछ कर्मचारियों ने उन्हें रोक लिया।



आरोप है कि पूछताछ या बातचीत के दौरान शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्ष आरोपों के मुताबिक, पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता पर डंडे बरसाने शुरू कर दिए। हमले में उनके सिर से खून बहने लगा और कान भी जख्मी हो गया। शरीर पर दिखाई दे रहे लाल और काले निशान कथित मारपीट की गंभीरता को बयां कर रहे हैं। अधिवक्ता को पुलिसकर्मियों के चंगुल से बचाने पहुंचे उनके साथियों के साथ भी मारपीट किए जाने के आरोप हैं। पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल, बचाव में क्या थी मजबूरी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस का पक्ष भी सामने आया है। आरोपों के दूसरे पक्ष के अनुसार, अधिवक्ता पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता कर रहे थे और उनके साथ झूमाझपटी की स्थिति बन गई थी। पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर इसी परिस्थिति में अपने बचाव में कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

हालांकि, सवाल यह है कि यदि मौके पर विवाद हुआ भी था तो क्या स्थिति को नियंत्रित करने का यही तरीका था क्या किसी व्यक्ति के साथ इतनी गंभीर मारपीट आवश्यक थी। और यदि बीच-बचाव करने वाले लोग भी घायल हुए हैं तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी।

शिकायत मिलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

मामले में धनपुरी एसडीओपी का कहना है कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में मीडिया के माध्यम से आया है। फिलहाल पुलिस के पास इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अधिवक्ता की ओर से औपचारिक शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन क्या कदम उठाता है। साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होती है या नहीं। वर्दी पर लगे आरोपों का सच सामने आना जरूरी है, क्योंकि कानून से ऊपर न तो कोई नागरिक है और न ही कानून की रक्षा करने वाली वर्दी।

जिले के बरगवां अमलाई नगर परिषद वार्ड-1 में नाली निर्माण बना आफत, बिना लेआउट और तकनीकी निगरानी के हो रहा काम

सड़क पर मिट्टी और कीचड़ से दुर्घटनाओं का खतरा, घरों के रास्ते बाधित, निर्माण की गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

अनूपपुर। (दीपक द्विवेदी) जिले के बरगवां अमलाई परिषद् द्वारा बरगवां अमलाई के वार्ड नंबर-1 में इन दिनों कराया जा रहा नाली निर्माण कार्य वार्डवासियों के लिए सुविधा की जगह परेशानी का सबब बन गया है। निर्माण कार्य में कथित लापरवाही और तकनीकी मानकों की अनदेखी के चलते स्थानीय लोगों के साथ-साथ मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाली निर्माण के लिए सड़क किनारे की गई खुदाई से सड़क संकरी हो गई है। वहीं, खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर ही डाल दिए जाने के कारण रास्ते में कीचड़ और फिसलन की स्थिति बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर नाली का निर्माण कराया जा रहा है, वहां इसकी आवश्यकता को लेकर पहले से ही सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि नाली के अंतिम छोर (एंड पॉइंट) पर पानी निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था या स्थान ही नहीं है। इतना ही नहीं, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्रोपर लेआउट भी तैयार नहीं किया गया। ऐसे में बिना उचित जल निकासी की योजना के नाली निर्माण की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क पर फैली मिट्टी और कीचड़ के कारण बाइक सवार कई लोग फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। घरों के सामने रास्ते बाधित होने से लोगों को दैनिक आवागमन और निस्तार में परेशानी हो रही है। स्थिति यह है कि कई घरों में चारपहिया वाहनों का प्रवेश तक मुश्किल हो गया है।निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। आरोप है कि नाली के ऊपर बनाए जा रहे ढक्कन इतने कमजोर हैं कि पैर रखते ही दरारे आ जाती है और टूटने लगते हैं। ढक्कन लगाने के बाद भी सड़क की सतह एक समान नहीं हो पा रही है। कहीं नाली की दीवार सड़क से ऊपर है तो कहीं सड़क से नीचे। नाली का निर्माण भी कई स्थानों पर असमान दिखाई दे रहा है और नीचे का हिस्सा खोखला होने की शिकायत की जा रही है। नाली के बेस में महज डेढ़ इंच मोटी ढलाई की जा रही है, जो निर्माण की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल खड़े करती है। नाली को ढकने के लिए सड़क पर ही ढलाई किए जाने से आवागमन और अधिक जोखिम भरा हो गया है। वार्डवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य बिना किसी इंजीनियर की नियमित देखरेख के मनमाने तरीके से कराया जा रहा है। निर्माण में न तो एकरूपता दिखाई दे रही है और न ही निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन होता नजर आ रहा है। नाली निर्माण के



दौरान पानी सप्लाई की मुख्य पाइपलाइन भी कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन टूटने के बाद उसकी मरम्मत कराए बिना ही उसके ऊपर नाली की ढलाई कर दी गई। इसके कारण पानी लगातार बह रहा है। इससे लगातार पेयजल की बर्बादी हो रही है, लोगों ने ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नाली निर्माण की आवश्यकता, तैयार किए गए लेआउट, तकनीकी गुणवत्ता और स्वीकृत मापदंडों के अनुरूप हो रहे कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए। निर्माण स्थल पर तकनीकी अधिकारी या इंजीनियर की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा सड़क पर फैली मिट्टी और मलबे को हटाकर आवागमन सुचारु किया जाए। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों का उद्देश्य आमजन को सुविधा देना होना चाहिए, लेकिन वार्ड नंबर-1 में नाली निर्माण के नाम पर लोगों को परेशानी, दुर्घटना और अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारी मामले में तत्काल संज्ञान लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और उपयोगिता की जांच करें, ताकि सरकारी राशि का सदुपयोग हो और वार्डवासियों को राहत मिल सके।

शहडोल कलेक्टर ने स्वामित्व रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश, जिले में अब तक 64 प्रतिशत कार्य पूरा

अमझोर सहकारी समिति के प्रबंधक को निलंबित करने के निर्देश, जिला प्रबंधक मार्कफेड को एक दिन अवैतनिक करने के निर्देश

शहडोल। (अविरल गौतम) कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा की बैठक में स्वामित्व रजिस्ट्री, फसल नुकसान के सर्वेक्षण तथा रबी फसल के लिए रासायनिक खाद की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में अब तक 64 प्रतिशत स्वामित्व रजिस्ट्री का कार्य पूरा किया जा चुका है। बैठक में अमझोर सहकारी समिति के प्रबंधक द्वारा निर्धारित पंजीयन लक्ष्य के विरुद्ध अधिक पंजीयन किए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित प्रबंधक को निलंबित करने के निर्देश दिए। वहीं, बिना सूचना बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिला प्रबंधक मार्कफेड को एक दिन अवैतनिक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सोयाबीन फसल में हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराने तथा धान की क्रॉप कटिंग के निर्धारित नमूने समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारियों को दिए। बैठक में किसानों द्वारा रबी फसल के लिए रासायनिक खाद के उठाव तथा जिले में खाद की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिले के केशवाही में शादी के वादे और धमकी के विवाद में नया मोड़, विक्रम सिंह ने पुलिस चौकी में दिया आवेदन; नाम के दुरुपयोग का लगाया आरोप

शहडोल। (अविरल गौतम)जिले के केशवाही में शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, कथित ब्लैकमेलिंग और धमकी के आरोपों से चर्चा में आए कनिष्क सिंह उर्फ छोटू के मामले में अब एक नया घटनाक्रम सामने आया है। आरोपी के चाचा विक्रम सिंह ने भी पुलिस चौकी में लिखित आवेदन देकर अपने नाम का दुरुपयोग किए जाने और मामले से जुड़े घटनाक्रम को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने शिकायत में अपने नाम को कथित रूप से गलत तरीके से विवाद से जोड़ने, ऑडियो-वीडियो और सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री के माध्यम से उनकी सामाजिक एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा प्रभावित होने की बात कही।

प्राप्त हस्तलिखित आवेदन के अनुसार, विक्रम सिंह ने 25 अक्टूबर को पुलिस चौकी केशवाही में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में उन्होंने पूरे मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

कथित ऑडियो-वीडियो को लेकर जताई आपत्ति

विक्रम सिंह ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि संबंधित प्रकरण को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उनके नाम का उल्लेख करते हुए कई तरह की बातें प्रसारित की जा रही हैं। उनका आरोप है कि कुछ कथित ऑडियो-वीडियो और बातचीत के आधार पर उन्हें विवाद से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि उनके अनुसार मामले की वास्तविकता कुछ और है। आवेदन में उन्होंने संबंधित घटनाक्रम, बातचीत और सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री का जिक्र करते हुए कहा है कि इस तरह की गतिविधियों से उनकी छवि और पारिवारिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि बिना वास्तविक तथ्यों की जांच किए उनके नाम को विवाद में उछाला जा रहा है।

कनिष्क सिंह प्रकरण से जुड़ा है पूरा घटनाक्रम

गौरतलब है कि कनिष्क सिंह उर्फ छोटू के खिलाफ एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, कथित गर्भपात और निजी फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस कनिष्क को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। इसी प्रकरण के दौरान कनिष्क के बड़े भाई एवं जनपद पंचायत बुढ़ार के उपाध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह और चाचा विक्रम सिंह से जुड़े कथित ऑडियो-वीडियो भी सामने आने का दावा किया गया है।

इनमें धमकी, शिकायत करने की चुनौती और मोबाइल छीनने जैसे आरोप चर्चा में आए थे। अब विक्रम सिंह की ओर से दिया गया आवेदन इस पूरे घटनाक्रम में एक नया पक्ष सामने लाता है।

पुलिस से निष्पक्ष जांच और वास्तविकता सामने लाने की मांग

विक्रम सिंह ने पुलिस से अनुरोध किया है कि उनके आवेदन की गंभीरता से जांच की जाए। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित सामग्री की वास्तविकता का परीक्षण कराया जाए तथा उनके नाम का कथित दुरुपयोग कर प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जाए।

अब पुलिस की जांच पर टिकी निगाहें

25 अक्टूबर को दिए गए इस आवेदन के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करती है।

एक ओर कनिष्क सिंह के खिलाफ दर्ज प्रकरण में कानूनी कार्रवाई हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर हर्ष प्रताप सिंह और विक्रम सिंह से जुड़े कथित ऑडियो-वीडियो तथा विक्रम सिंह की ओर से लगाए गए नाम के दुरुपयोग के आरोप जांच का विषय हैं। दोनों पक्षों के आरोपों, उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों और संबंधित व्यक्तियों के बयान की निष्पक्ष जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

संपादकीय

आंकड़ों से परे- भारत में गरीबी में कमी की वास्तविक तस्वीर - विश्व बैंक की रिपोर्ट



गरीबी किसी भी देश के सामाजिक और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण मापदंड है। यह केवल लोगों की आय को ही नहीं दर्शाती, बल्कि भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आवास, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक उनकी पहुंच को भी प्रतिबिंबित करती है। गरीबी कम करने के क्षेत्र में भारत की प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्टें जीवन स्तर में हुए महत्वपूर्ण सुधारों को उजागर करती हैं, लेकिन साथ ही यह भी बताती हैं कि अभी कई चुनौतियां बाकी हैं।

विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की गरीबी एवं समानता संबंधी रिपोर्ट के अनुसार, निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित 4.20 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन प्रति व्यक्ति की गरीबी रेखा के आधार पर भारत में गरीबी की दर 2011-12 में 57.7 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में घटकर 16.1 प्रतिशत रह गई। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग इस गरीबी रेखा से ऊपर आ गए।

रिपोर्ट में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी का भी उल्लेख किया गया है। प्रतिदिन 3 अमेरिकी डॉलर से कम आय पर जीवनयापन करने वाले लोगों का अनुपात 2011-12 में 27.1 प्रतिशत था, जो 2023-24 में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। ये आंकड़े परिवारों की खपत और जीवन स्थितियों में आए महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं।

विश्व बैंक ने यह भी अनुमान लगाया है कि 4.20 डॉलर वाली गरीबी रेखा के आधार पर भारत में गरीबी की दर 2026 में अनुमानित 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत हो सकती है। यह दो वर्षों का अनुमान है, न कि बारह वर्षों का। इसकी प्राप्ति आर्थिक परिस्थितियों और रोजगार बाजार में होने वाले बदलावों पर भी निर्भर करेगी।

गरीबी में कमी के पीछे क्या कारण हैं-इस प्रगति के पीछे कई महत्वपूर्ण कारक हैं। आर्थिक विकास, परिवारों की बढ़ती खपत, रोजगार के अवसर और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

खाद्य सुरक्षा योजनाओं और रियायती दरों पर अनाज वितरण ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपनी बुनियादी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता दी है। सामाजिक सहायता योजनाओं और आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहुंच ने भी परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव रोजगार में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। 2017 से 2023 के बीच भारत में रोजगार प्राप्त लोगों की संख्या में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि हुई। ग्रामीण महिलाओं का वेतनभोगी कार्यों में शामिल होना इस वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। जब परिवार के अधिक सदस्य कमाने लगते हैं, तो घरेलू आय बढ़ती है और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बल मिलता है।

ग्रामीण और शहरी गरीबी में अंतर-समग्र प्रगति के बावजूद भारत में गरीबी की स्थिति सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। 4.20 डॉलर की गरीबी रेखा के आधार पर 2023 में ग्रामीण गरीबी की दर लगभग 19.3 प्रतिशत थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 8.6 प्रतिशत थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्थायी रोजगार और बुनियादी ढांचे की कमी जैसी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। क्षेत्रीय असमानता भी एक बड़ी चुनौती है। उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक के कई राज्यों में गरीब आबादी का बड़ा हिस्सा रहता है।

इन असमानताओं को कम करने के लिए क्षेत्र-विशेष विकास योजनाओं, बेहतर बुनियादी ढांचे, कृषि के आधुनिकीकरण, ग्रामीण उद्योगों और शिक्षा के अधिक अवसरों की आवश्यकता है।

रोजगार और आय की चुनौती- विश्व बैंक के निष्कर्षों से एक महत्वपूर्ण सबक मिलता है कि केवल रोजगार में वृद्धि आर्थिक सुरक्षा की गारंटी नहीं देती। रोजगार के अवसर बढ़ने के बावजूद वास्तविक आय में वृद्धि काफी सीमित रही है। नए रोजगारों में से कई कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में पैदा हुए हैं।

युवाओं में बेरोजगारी भी चिंता का विषय है। 2025-26 और 2026-27 की पहली तिमाहियों के बीच युवा बेरोजगारी की दर 14.6 प्रतिशत से बढ़कर 15.9 प्रतिशत होने की रिपोर्ट इस बात की आवश्यकता बताती है कि युवाओं और ग्रामीण महिलाओं के लिए अधिक प्रभावी रोजगार नीतियां बनाई जाएं।

भारत को उत्पादक, सुरक्षित और उचित वेतन वाले रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, स्वरोजगार, औद्योगिक विकास, आधुनिक कृषि और डिजिटल उद्योग युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं- प्रगति की नींव- गरीबी का स्थायी उन्मूलन केवल आर्थिक सहायता पर निर्भर नहीं हो सकता। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को अच्छे स्कूलों, डिजिटल शिक्षा, छात्रवृत्तियों और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिभा विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए।

दुनियाँ के लोकतंत्रों पर विदेशी सत्ता परिवर्तन का साया!



वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण सवाल तेजी से चर्चा में है कि क्या विभिन्न देशों में हो रहे जनआंदोलन केवल जनता की वास्तविक समस्याओं का परिणाम हैं अथवा इनके पीछे कहीं विदेशी आर्थिक सहायता, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, राजनीतिक नेटवर्क और रणनीतिक हितों के माध्यम से सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज की कोई सुनियोजित योजना भी काम करती है? लोकतंत्र में सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है,लेकिन जब किसी देश की आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता में विदेशी धन, डिजिटल प्रचार, बाहरी राजनीतिक समर्थन अथवा गुप्त नेटवर्क की भूमिका के आरोप सामने आते हैं,तब यह विषय राष्ट्रीय संप्रभुता और लोकतांत्रिक सुरक्षा से जुड़ जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इजरायल का 30 अक्टूबर 2026 का चुनावी नतीजा? जो 27 अक्टूबर 2026 को हुआ था इसराइल के प्रधानमंत्री के लगाए गए आरोप व दिए गए जांच के आदेश नें इस बहस का ताजा और महत्वपूर्ण उदाहरण सटीकता से बनकर सामने आया है।

साथियों बात अगर हम इजरायल का चुनाव 120 सीटों पर सत्ता का गणित और अरब पार्टियों का ऐतिहासिक उभार को समझने की करें तो,इजरायल की राजनीति में 27 अक्टूबर 2026 को हुए आम चुनाव ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।30 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव समिति के घोषित अंतिम सीट-विभाजन के अनुसार 120 सदस्यीय नेसेट (इजरायली संसद) में बहुमत के लिए 61 सीटें आवश्यक हैं, लेकिन नेतन्याहू के समर्थक गठबंधन को केवल 53 सीटें मिली हैं। दूसरी ओर पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले परिवर्तनवादी विपक्षी खेमे को 48 सीटें प्राप्त हुई हैं, जबकि अरब नेतृत्व वाली पार्टियों ने रिकॉर्ड 19 सीटें हासिल कर ली हैं। इस प्रकार किसी भी प्रमुख खेमे के पास अपने दम पर सरकार बनाने का बहुमत नहीं है। पार्टीवार परिणामों में लिकुड को 27, याशर को 21, बियाखद को 12, संयुक्त अरब सूची को 11, डेमोक्रेट्स को 8, राम को 8, यिसराइल बेतेनु को 7, ओत्जमा येहुदित को 7, यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्म को 7, शास को 6 और धार्मिक जायनिज्म को 6 सीटें मिली हैं। मतदान लगभग 77.9 प्रतिशत रहा और 57 लाख से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अरब पार्टियों की संयुक्त 19 सीटें उन्हें सत्ता गठन की राजनीति में निर्णायक बना सकती हैं। हालांकि विपक्ष के कई नेताओं ने अरब पार्टियों के साथ गठबंधन करने को लेकर आपत्तियां जताई हैं। इसलिए नेतन्याहू की सरकार का भविष्य केवल सीटों के गणित से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौतों से भी यह तय होगा।

साथियों बात अगर हम कतर और तुर्की पर विदेशी हस्तक्षेप के आरोपक्या वोट खरीदने की कोशिश हुई? इसको समझने की करें तो,इस चुनाव का सबसे विस्फोटक पहलू विदेशी हस्तक्षेप और कथित आर्थिक लेन-देन के आरोप हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी लिकुड पार्टी की ओर से अरब मतदाताओं के बीच कथित धन वितरण,वोट खरीदने, दोहरे मतदान और चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।इजरायली मीडिया की रिपोर्टों में कतर से धन पहुंचने और तुर्की सहित विदेशी तत्वों की संभावित भूमिका की आशंकाएं भी सामने आई हैं। केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नोआम सोलबर्ग ने इन गंभीर संदेहों की जांच के लिए इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट को निर्देश दिया है। जांच का उद्देश्य आरोपों की पुष्टि करना ही नहीं, बल्कि उन्हें गलत साबित करने की स्थिति में भी तथ्य सामने लाना है।हालांकि यहां एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है। कतर ने चुनाव में हस्तक्षेप अथवा धन भेजकर परिणाम प्रभावित करने के आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। तुर्की ने भी हस्तक्षेप के आरोपों को निराधार बताया है। इजरायल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक ने व्यापक चुनावी धांधली के दावों को आधारहीन बताया है और शिन बेट ने भी स्पष्ट किया है कि जांच सीमित दायरे में है तथा अभी संदेह सिद्ध नहीं हुए हैं। इसलिए विदेशी धन से वोट खरीदने को स्थापित तथ्य नहीं, बल्कि जांचाधीन आरोप के रूप में ही प्रस्तुत करना उचित होगा।यदि जांच में विदेशी धन के माध्यम से अवैध चुनावी गतिविधियों, मतदाताओं को रिश्वत देने अथवा चुनावी प्रक्रिया प्रभावित करने के प्रमाण मिलते हैं, तो इसका असर केवल इजरायल की सरकार गठन प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहेगा। कतर, तुर्की और इजरायल के कूटनीतिक संबंधों के साथ मध्यपूर्व की रणनीतिक राजनीति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, तो चुनाव परिणामों को बदनाम करने और अरब नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर सवाल उठाने की राजनीति भी अंतरराष्ट्रीय आलोचना का विषय बन सकती है।

साथियों बात अगर हम फ्रांस - शिक्षा से शुरू हुआ आंदोलन, महंगाई और सरकार विरोध तक पहुंचा इसको समझने की करें तो,फ्रांस में सितंबर 2026 के अंत में विद्यार्थियों ने स्कूलों में शिक्षकोंकी कमी,खराब शैक्षणिक सुविधाओं लंबे अध्ययन घंटों और शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं के विरोध में आंदोलन शुरू किया। धीरे-धीरे इसमें श्रमिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ी तथा महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतों, वेतन, पेंशन और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति प्रमुख मुद्दे बन गए। अक्टूबर में पेरिस सहित अनेक शहरों में बड़े प्रदर्शन हुए।24 अक्टूबर के आसपास देशभर में लगभग तीन लाख प्रदर्शनकारियों की भागीदारी की खबरें सामने आई, जबकि कुछ अन्य प्रदर्शनों में सरकारी और श्रमिक संगठनों के आंकड़ों में अंतर रहा।यह आंदोलन इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय मांगें किस तरह व्यापकराजनीतिक असंतोष का रूप ले सकती हैं। इसी पृष्ठभूमि में फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्टूबर 2026 की खोजी रिपोर्ट ने फ्रांस के विद्यार्थी आंदोलनों के आसपास सक्रिय अंतरराष्ट्रीय संगठनों, श्रमिक संघों, वामपंथी दलों और मीडिया नेटवर्क की भूमिका पर सवाल उठाए। रिपोर्ट ने 50 संगठनों का उल्लेख किया, जिनमें 15 विद्यार्थी अथवा युवा संगठन और शेष श्रमिक संघ, राजनीतिक दल, मानवाधिकार समूह तथा मीडिया संगठन शामिल थे। रिपोर्ट का आरोप था कि इन नेटवर्कों ने स्थानीय असंतोष को व्यापक वैचारिक और राजनीतिक अभियान का स्वरूप देने में भूमिका निभाई।लेकिन किसी आंदोलन को प्रचारित करना, उसमें संगठित भागीदारी करना और विदेशी निर्देश पर सरकार गिराने की साजिश करना तीन अलग-अलग बातें हैं। रिपोर्ट में उल्लिखित संगठनात्मक संबंध अपने आप में विदेशी षड्यंत्र का सटीकता से निर्णायक प्रमाण नहीं हैं।

साथियों बात कर हम स्पेन- आवास संकट ने सरकार के सामने खड़ी की चुनौती इसको समझने की करें तो स्पेन में सितंबर 2026 में आवास संकट के विरुद्ध शुरू हुआ आंदोलन अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना। मैड्रिड में 87 वर्षीय मारिकर्मेन अबास्कल को उनके लंबे समय से रह रहे मकान से बेदखल किए जाने की घटना ने जनआक्रोश को बढ़ाया। आरोप था कि मकान खरीदने वाली संपत्ति कंपनी ने उनका किराया उनकी पेंशन की क्षमता से कहीं अधिक बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर किराया नियंत्रण, कमजोर वर्गों को बेदखली से सुरक्षा और किफायतीआवास की मांग की।

उत्सवों की कीमत- बढ़ता हुआ त्योहारों का प्रदूषण



त्योहार मानव संस्कृति और सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे खुशियाँ बाँटते हैं, सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाते हैं और परिवारों तथा समुदायों को एक साथ मिलकर उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करते हैं। चाहे दीपावली हो, दशहरा, क्रिसमस, नववर्ष, विवाह समारोह या अन्य सार्वजनिक आयोजन, लोग रोशनी, सजावट, संगीत, आतिशबाजी और बड़े समारोहों के माध्यम से अपनी खुशी व्यक्त करते हैं। लेकिन इस उल्लास के पीछे एक गंभीर पर्यावरणीय चिंता भी छिपी हुई है, जिसे त्योहारों से होने वाला प्रदूषण कहा जाता है।

जिन उत्सवों का उद्देश्य खुशियाँ फैलाना है, वे आज वायु, ध्वनि, जल और ठोस कचरे के प्रदूषण का कारण बनते जा रहे हैं। त्योहारों की बढ़ती पर्यावरणीय कीमत हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि हम किस प्रकार उत्सव मनाते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा संसार छोड़कर जा रहे हैं।

वायु प्रदूषण बड़े उत्सवों के सबसे स्पष्ट दुष्परिणामों में से एक है। पटाखों और आतिशबाजी से धुआँ, सूक्ष्म कण तथा हानिकारक गैसें वातावरण में फैलती हैं। ये प्रदूषक साँस संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकते हैं, अस्थमा के दौरे पैदा कर सकते हैं तथा बच्चों, बुजुर्गों और हृदय एवं फेफड़ों के रोगियों के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं। जब वायु की गुणवत्ता पहले से ही खराब हो, तब कुछ घंटों की अत्यधिक आतिशबाजी भी प्रदूषण को खतरनाक स्तर तक पहुँचा सकती है। ध्वनि प्रदूषण भी एक बड़ी चिंता है। तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर, पटाखे, ऊँची आवाज में बजता संगीत और लंबे समय तक चलने वाले समारोह आसपास के लोगों की शांति भंग करते हैं तथा उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। अत्यधिक शोर तनाव, नींद की कमी, सिरदर्द और सुनने की क्षमता से संबंधित समस्याएँ पैदा कर सकता है। इससे अस्पतालों में भर्ती मरीजों, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों और परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी परेशानी होती है।

त्योहारों से होने वाला प्रदूषण केवल वायु और ध्वनि तक सीमित नहीं है। सजावटी सामग्री, प्लास्टिक की पैकिंग, एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लेटें और कप, थर्मोकोल, कृत्रिम फूल तथा अन्य गैर-जैविक पदार्थ भारी मात्रा में कचरा उत्पन्न करते हैं। इनमें से कई वस्तुओं का उपयोग केवल कुछ घंटों के लिए होता है, लेकिन वे वर्षों तक पर्यावरण में बनी रहती हैं। इनका अनुचित निपटान नालियों को बंद करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है और आसपास गंदगी फैलाता है।

कुछ त्योहारों के दौरान जल प्रदूषण भी बढ़ जाता है। धार्मिक सामग्री, प्लास्टिक की वस्तुएँ, रंग, रसायन और अन्य कचरा कई बार नदियों, तालाबों और झीलों में फेंक दिया जाता है। ऐसी गतिविधियाँ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाती हैं और मछलियों सहित अन्य जलजीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बनती हैं। हमारी नदियों और जल स्रोतों को सम्मान तथा संरक्षण की आवश्यकता है, न कि गैर-जिम्मेदाराना उत्सवों के कचरे का बोझ।

पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव पशु-पक्षियों तक भी पहुँचता है। पटाखों के तेज धमाके पालतू जानवरों को डरा देते हैं, वन्यजीवों को परेशान करते हैं और पक्षियों के प्राकृतिक व्यवहार में बाधा डालते हैं। आवारा कुत्ते और अन्य जानवर आतिशबाजी के दौरान भय और बेचैनी का शिकार होते हैं। अचानक चमकती रोशनी और तेज आवाजों के कारण पक्षी अपने घोंसले छोड़ सकते हैं या दिशाभ्रम के शिकार हो सकते हैं। वास्तविक खुशी का उत्सव बेजुबान जीवों के दुख का कारण नहीं बनना चाहिए।

एक अन्य अनदेखा पहलू बिजली और प्राकृतिक संसाधनों की अनावश्यक खपत है। सजावटी रोशनी, अस्थायी ढाँचे, अनावश्यक पैकेजिंग और बड़े पैमाने पर होने वाली व्यावसायिक गतिविधियाँ ऊर्जा की खपत तथा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाती हैं। दिखावे और प्रतिस्पर्धा की बढ़ती प्रवृत्ति ने अनेक त्योहारों को आपसी मेल-मिलाप के अवसरों के बजाय महँगे उपभोग और प्रदर्शन का माध्यम बना दिया है। इस समस्या का समाधान त्योहार मनाना बंद करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ मनाना है। त्योहारों में हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, करुणा और प्रकृति के प्रति सम्मान की झलक होनी चाहिए। लोग पारंपरिक दीपों, ऊर्जा बचाने वाली एलईडी लाइटों, पुनः उपयोग योग्य सजावटी वस्तुओं और जैविक रूप से नष्ट होने वाली सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। सामुदायिक समारोहों में अनावश्यक आतिशबाजी, तेज संगीत और एक बार इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं का प्रयोग कम किया जा सकता है।

स्कूल, कॉलेज, आवासीय कल्याण समितियाँ, धार्मिक संस्थाएँ और स्थानीय प्रशासन पर्यावरण-अनुकूल त्योहारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बुजुर्ग कुल और वंश का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति

बड़े बुजुर्गों और हमारी पिछली पीढ़ियों से अक्सर हम सतयुग और कलयुग का नाम सुनते आ रहे हैं जिसे समझने के लिए हमें भारतीय कवि गीतकार प्रदीप के भजन देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान कितना बदल गया इंसान और आज के इस इंसान को ये क्या हो गया इसका पुराना प्यार कहां पर खो गया, को सुनकर खासकर वर्तमान पीढ़ी के युवाओं को रेखांकित करना समय की मांग है। वैसे तो परिस्थितियों के अनुसार स्थितियां बदलती रहती है परंतु मेरा मानना है कि हमारे बड़े बुजुर्गों के प्रति सोच में बदलाव को सभी ने एक साथ मिलकर रोकना होगा क्योंकि हमारे बड़े बुजुर्ग कुल और वंश का एक प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्तित्व हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वह हमारी धरोहर हैं, इन्हें भौतिक सुख सुविधाओं से अधिक अपनों के साथ की ज़रूरत होती है। हमारे युवाओं को यह समझना होगा कि हमारे बड़े बुजुर्ग वह पेड़ है जो थोड़े कड़वे हो सकते हैं लेकिन इनके फल बहुत मीठे होते हैं, इसके दो कदम आगे इनकी छांव का कोई मुकाबला नहीं हो सकता।

साथियों बात अगर हम हमारे बड़े बुजुर्ग रूपी धरोहर को सुरक्षित रखने की करें तो हम सबको मिलकर इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने होंगे हमारी सोच को इनके प्रति सकारात्मक बनाए रखना होगा पाश्चात्य और नए जमाने की सोच को विराम देना होगा क्योंकि सांस्कृतिक श्लोकों में भी आया है, अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोंसेविन- चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम अर्थात जो बुजुर्ग वृद्धजनों विनम्र और नित्य अनुभवी लोगों की सेवा करते हैं उनकी चार चीजें हमेशा बढ़ती रहती हैं -आयु विद्या यश और बल पर अफसोस इस बात का है कि यह चारों चीजें सभी को चाहिए लेकिन वृद्ध जनों बुजुर्गों अनुभवी सम्मानित लोगों की सेवा कोई नहीं करना चाहता है !

साथियों हाल ही में, बुजुर्गों के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्था हेल्पएज इंडिया द्वारा 4.5 हजार लोगों पर किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार जो प्रमुख तथ्य सामने आए वे इस प्रकार हैं–सर्वेक्षण के मुताबिक देश के 19 शहरों में बुजुर्गों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। उनमें मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर प्रमुख हैं। बुजुर्गों को प्रश्नावली भरने को दी गई थी, उसमें लगभग 44 फ़ीसदी लोगों ने यह स्वीकारा कि सार्वजनिक स्थलों पर उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है।देश के 53 फ़ीसदी बुजुर्ग ऐसा मानते हैं कि समाज में उनके साथ भेदभाव किया जाता है।सार्वजनिक स्थलों पर किसी बात की जानकारी मांगने पर 64 फ़ीसदी लोग उनके साथ बुरे लहजे में बात करते हैं।

सब का पानी एक, सब की हवा एक
सब का मालिक एक



साहबजादा अब्दुल रशीद खान
प्रधान सम्पादक सच्चे दिन समूह

इजराइल का अस्तित्व और नई सरकार : दुनिया की निगाहें टिकीं

मध्य पूर्व में भूमध्य सागर के पूर्वी छोर पर बसा इजराइल दुनिया का एकमात्र यहूदी राष्ट्र है। इसकी भौगोलिक सीमाएं लेबनान, सीरिया, जॉर्डन, मिस्र तथा फिलिस्तीनी क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। मध्य पूर्व के अधिकांश देशों के साथ इजराइल के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। अपनी स्वतंत्रता के बाद से ही इजराइल को पड़ोसी देशों और विभिन्न आतंकी संगठनों के हमलों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद इजरायल सरकार और उसकी दृढ़ संकल्पित सेना ने जिस साहस, सामरिक कौशल और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का मूल आधार यह रहा है कि देश की संप्रभुता, सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि कोई देश अथवा आतंकी संगठन इजराइल की सुरक्षा को चुनौती देता है तो इजराइल उसका जवाब देने में पीछे नहीं हटता। यही कारण है कि चारों ओर से सुरक्षा चुनौतियों से घिरे होने के बावजूद इजराइली नागरिकों में अपने राष्ट्र की सुरक्षा व्यवस्था और सेना के प्रति गहरा विश्वास दिखाई देता है। यह इजरायल की दृढ़ राजनीतिक इच्छशक्ति, सैन्य तैयारी और नागरिकों के राष्ट्र प्रेम का ही परिणाम है।

इजराइल दुनिया का एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक देश है, जहां निर्धारित समय पर चुनाव होते हैं और जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। हालांकि, 120 सदस्यीय इजरायली संसद (नेसेट) की राजनीतिक व्यवस्था की एक बड़ी विडंबना यह रही है कि वहां किसी एक राजनीतिक दल के लिए अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करना अक्सर चुनौतीपूर्ण रहा है। परिणामस्वरूप गठबंधन सरकारों का गठन इजरायल की राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इसके विपरीत, मध्य पूर्व के कई ऐसे देश हैं जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनता की राजनीतिक स्वतंत्रता की स्थिति लगातार सवालों के घेरे में रही है। दशकों से सत्ता पर काबिज शासकों और लोकतांत्रिक अधिकारों के अभाव ने इन देशों की राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर किया है। इजराइल की सरकार और उसकी नीतियों की आलोचना करना किसी भी देश का लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन लोकतंत्र का गला घोंटने वाली व्यवस्थाओं पर चुप्पी साध लेना और इजरायल के विरुद्ध होने वाली हिंसा तथा आतंकी हमलों की अनदेखी करना निश्चित रूप से दोहरे मापदंड को उजागर करता है। किसी भी राष्ट्र की नीतियों से असहमति का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके नागरिकों की सुरक्षा और अस्तित्व के अधिकार को ही नकार दिया जाए।

हाल के चुनावों में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण एक बार फिर इजराइल में गठबंधन सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, इस पर राजनीतिक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरी है, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे सहयोगी दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर, अरबी राजनीतिक दलों की भूमिका भी सरकार गठन में निर्णायक साबित हो सकती है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति इजराइल के सामने एक बड़ी राजनीतिक चुनौती बनकर खड़ी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजरायल के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेताओं में शामिल हैं। उनके कार्यकाल में देश की सुरक्षा नीति, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक राजनीतिक फैसलों को लेकर व्यापक समर्थन के साथ साथ विरोध भी देखने को मिला है। इजराइल की नई पीढ़ी का एक वर्ग देश की राजनीति में बदलाव चाहता है और नेतन्याहू सरकार की कुछ नीतियों पर सवाल भी उठाता रहा है। लेकिन इन तमाम राजनीतिक मतभेदों के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की संप्रभुता का प्रश्न इजराइली राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण बना हुआ है। इजराइल की आर्थिक मजबूती, आधुनिक तकनीक, रक्षा अनुसंधान और सैन्य क्षमता ने उसे दुनिया के प्रभावशाली देशों की कतार में खड़ा किया है। हालांकि, देश की आर्थिक उपलब्धियों का पूरा श्रेय किसी एक सरकार को देना उचित नहीं होगा, लेकिन यह भी सच है कि इजराइल ने कठिन सुरक्षा परिस्थितियों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था और सामरिक शक्ति को मजबूत बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आज दुनिया की निगाहें इजरायल की नई सरकार के गठन पर टिकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वहां के राजनीतिक दल आपसी मतभेदों और सत्ता की महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एक मजबूत गठबंधन सरकार बनाने में सफल होंगे? क्या नई सरकार देश की सुरक्षा के साथ साथ लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और क्षेत्रीय शांति के बीच संतुलन स्थापित कर पाएगी?

नैनोद में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत विशाल शिविर आयोजित



इन्दौर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को पंचायत भवन परिसर नैनोद में विशाल जन-विश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक श्री एमएल मारू, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती प्रियंका टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी राजेश सिंह, सरपंच श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। शिविर में नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।

अभियान के तहत प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव में संचालित शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की मैदानी स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

नवीन पंचायत भवन का किया लोकार्पण- नैनोद में 14 लाख रूपये की लागत से नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नव जीवन विजय पवार, सरपंच श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती प्रियंका टैगोर द्वारा किया गया। अधिकारियों ने नवीन पंचायत भवन का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण- मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति ने अधिकारियों के साथ शासकीय माध्यमिक विद्यालय नैनोद का निरीक्षण किया और उपलब्ध सुविधाओं, पोषण व्यवस्था और केंद्र के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों को पढ़ाया और उनके साथ संवाद किया। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया और उपलब्ध सुविधा, व्यवस्थाओं तथा संचालन के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केन्द्र की सहायिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किये। अभियान के तहत सेवा सहकारी संस्था का निरीक्षण किया और खाद्यान्न वितरण के बारे में जानकारी प्राप्त की अधिकारियों ने पंचायत भवन परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया और ही पौधारोपण का महत्व बताया।

उद्यमियों ने साझा किए अनुभव- अभियन के तहत शिविर में आयोजित उद्यमी संवाद कार्यक्रम में उद्यमियों श्री जितेन्द्र सिंह डाबी, सुश्री संजना शर्मा और चेतना सोनी सहित अन्य उद्यमियों ने अपनी सफलताओं की कहानियां सुनाई। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा प्राप्त ऋण से प्लायवुड उद्योग से आमदनी में काफी बढ़ोतरी हुई। इस उद्योग से आज 20 लोगों को रोजगार मिल रहा है। उद्योग में निर्मित उत्पाद प्रदेश के विभिन्न शहरों में विक्रय किये जा रहे है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, संगीता परमार, दिपिका सोनी, काजल चौहान, रचना पटेल सहित अन्य महिलाओं ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत प्राप्त लाभ और अपने अनुभव साझा किये। साथ ही कृषक निखिल विश्वकर्मा और नवीन पटेल ने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभ के बारे में बताया। इस दौरान अधिकारियों ने उद्यमियों की समस्याओं, आवश्यकताओं और विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

जनसंवाद में सुनीं नागरिकों की समस्याएं- मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार ने नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करने और पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत- महंगाई भत्ता बढ़कर 60 प्रतिशत, एरियर 3 समान किश्तों में मिलेगा

इन्दौर। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य के शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि का निर्णय लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान के अंतर्गत कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

वित्त विभाग के परिपत्र के अनुसार यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जनवरी 2026 से देय माह फरवरी 2026 माना जाएगा। कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ 1 जनवरी 2026 से मिलेगा।

शासन द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि 2 प्रतिशत की इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह निर्णय राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत लेकर आएगा।

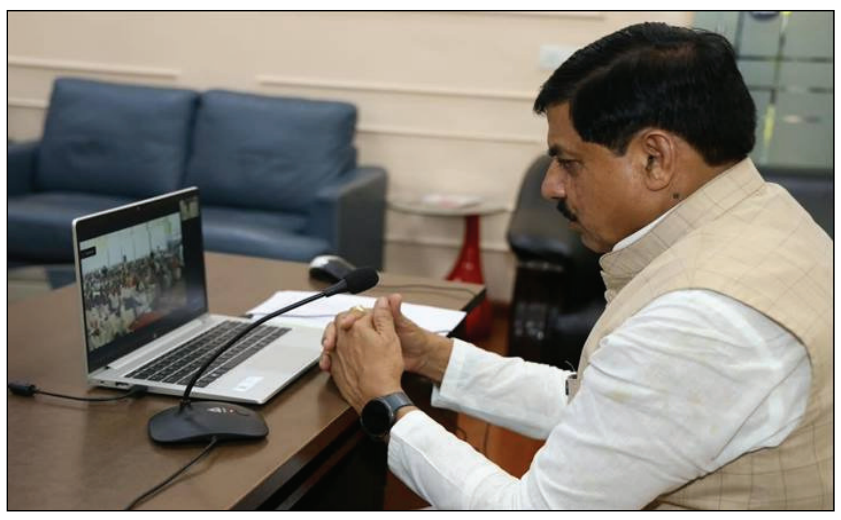
एरियर का भुगतान 3 किश्तों में- राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ 1 अक्टूबर 2026 भुगतान माह नवम्बर 2026 से किया जायेगा। दिनांक 1 जनवरी 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक की अवधि का एरियर की राशि का भुगतान कर्मचारियों को एकमुश्त न देकर तीन समान किश्तों में दिया जाएगा। महंगाई भत्ते की वृद्धि का लाभ माह नवम्बर 2026, दिसम्बर 2026 एवं जनवरी 2027 से किया जायेगा।

सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के लिए विशेष प्रावधान -शासन ने यह भी व्यवस्था की है कि जो कर्मचारी 1 जनवरी 2026 से 30 सितम्बर 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिनका निधन हो गया है, उन्हें अथवा उनके नामांकित सदस्य को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त भुगतान की जाएगी।

भुगतान संबंधी अन्य निर्देश- आदेश में कहा गया है कि महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में जोड़ा जाएगा, जबकि 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते का कोई भी हिस्सा किसी अन्य प्रयोजन के लिए वेतन का भाग नहीं माना जाएगा।

शासन ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि महंगाई भत्ते के भुगतान पर होने वाला व्यय संबंधित विभाग के स्वीकृत बजट प्रावधान के भीतर ही सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डिंडोरी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को किया संबोधित



इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डिंडोरी जिला उनके लिए विशेष महत्व रखता है। यह उनका प्रिय जिला है और पूर्व में वे यहां के प्रभारी भी रह चुके हैं। डिंडोरी ने अपने सुयोग्य जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में प्रदेश में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। आज जिले में कृषि के क्षेत्र में नवाचार और विकास को लेकर जो सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है, वह अद्भुत और उत्साहजनक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर एयरपोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डिंडोरी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों को कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाओं, आधुनिक तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। डिंडोरी जैसे जनजातीय बहुल जिले में कृषि के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में कोदो, कुटकी के साथ धान की खरीदी का निर्णय लिया गया है। इससे क्षेत्र के किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिलेगा और परंपरागत कृषि उत्पादों को भी प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से कृषि और पशुपालन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष प्रत्येक विकासखंड में गौमाता प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक के वृंदावन ग्राम में उत्कृष्ट गौपालकों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन आयोजनों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि गौपालन को प्रोत्साहित करना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिंडोरी जिले को हाल ही में आयुर्वेद महाविद्यालय की सौगात दी गई है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में भी अनेक विकास कार्यों की सौगात जिले को मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों से डिंडोरी की प्रगति को नई गति मिलेगी और आने वाले समय में जिला विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल भी इंदौर में उपस्थित थे। उन्होंने बलराम कृषि महोत्सव के आयोजन पर डिंडोरी जिले के किसानों और आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं

मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक सरोकार भी



इन्दौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'युवा एवं मानसिक स्वास्थ्य ः एक समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के सामाजिक, पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को जागरूक करना था।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शासकीय माता जीजाबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. राजश्री शाह थीं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं , बल्कि सामाजिक सरोकार भी है। व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य उसके पारिवारिक संबंधों, सामाजिक परिवेश, शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाओं एवं बदलती जीवनशैली से गहराई से जुड़ा होता है।

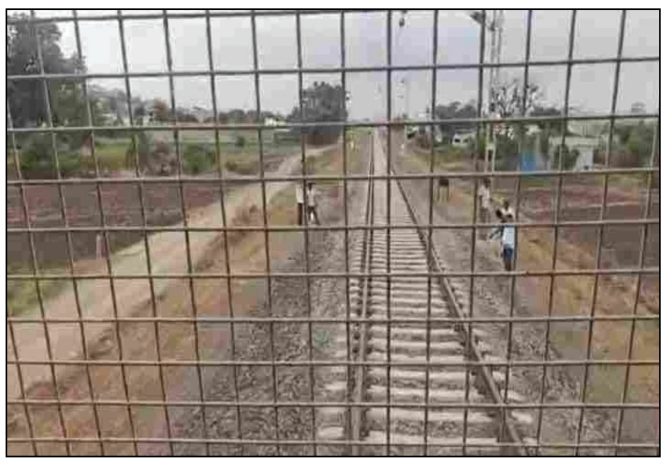
उन्होंने बताया कि युवावस्था में पहचान निर्माण, आत्मसम्मान, भावनात्मक संतुलन, भविष्य की अनिश्चितता और सामाजिक दबाव जैसी चुनौतियां युवाओं को प्रभावित करती हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना, खुलकर संवाद करना, सकारात्मक सामाजिक संबंध विकसित करना तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित परामर्श एवं सहयोग प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रो. शाह ने समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को समझने के लिए व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, मित्र समूह, शैक्षणिक संस्थानों और व्यापक सामाजिक संरचना की भूमिका को भी समझना होगा। मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सहयोगात्मक और संवेदनशील सामाजिक वातावरण का निर्माण जरूरी है।

कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. निशा जैन ने मुख्य वक्ता प्रो. राजश्री शाह का स्वागत किया। संचालन डॉ. शीतल झा ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्राध्यापक प्रो. ज्योति मेहता, प्रो. रेणुका उपाध्याय एवं प्रो. संगीता शर्मा सहित लगभग 80 छात्राओं ने सहभागिता की।

व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक आयामों को समझने तथा संवेदनशील एवं सहयोगात्मक समाज के निर्माण में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला।

टीही-धार नई रेल लाइन का परीक्षण- पीथमपुर-सागौर के बीच 50 किमी प्रति घंटा की गति से दौड़ा डीजल इंजन



इंदौर। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत शुक्रवार को पीथमपुर से सागौर के बीच ट्रैक पर 50 किमी प्रति घंटा की गति से डीजल इंजन चलाया गया। इस तरह इस ट्रैक के परीक्षण की प्रक्रिया शुरू हुई जो छह नवंबर तक चलेगी।

इस प्रोजेक्ट के तहत टीही से धार रेल पहुंचने का इंतजार अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। टीही एवं धार के बीच नवनिर्मित बड़ी रेल लाइन का सिविल, विद्युतीकरण एवं सिग्नलिंग वर्क पूर्ण होने के बाद निरीक्षण एवं गति परीक्षण शुरू हो गया। इस दौरान में रेल संरक्षा आयुक्त, पश्चिम परिमंडल, मुंबई द्वारा भी नई रेल लाइन का निरीक्षण एवं गति निरीक्षण किया जाएगा।

30 अक्टूबर से छह नवंबर तक इस ट्रैक पर इंजन की इंजन की गति धीरे-धीरे बढाई जाएगी- रेलवे अधिकारियों के अनुसार 30 अक्टूबर से छह नवंबर तक इस ट्रैक पर इंजन की इंजन की गति धीरे-धीरे बढाई जाएगी और अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से भी इंजन को चलाकर स्पीड ट्रायल जांच की जाएगी । पश्चिम रेलवे प्रबंधन ने इस ट्रायल के दौरान ट्रेक के आसपास रहने वाले लोगों को ट्रेक पर नहीं आने और न पशुओं को जाने की सूचना भी जारी की है।

वहीं, इसके पहले टीही के पास बनी 2,957 मीटर लंबी टनल में रेलवे ट्रैक को दोनों छोर से जोड़ने के बाद टावर वैगन व स्वचलित भारी मशीन चलाकर परीक्षण किया जा चुका है। पांच और छह नवंबर को रेलवे सुरक्षा आयुक्त टीही से धार के बीच लगभग 47 किमी लंबे रेलखंड का निरीक्षण करेंगे। टनल में बैलास्टलेस ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है, जबकि विद्युतीकरण और सिग्नलिंग से संबंधित कार्य भी अंतिम चरण में है।

दिसंबर तक इंदौर-धार के बीच शुरू हो सकती है रेल सेवा- रेलवे सुरक्षा आयुक्त का निरीक्षण निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा होने और आवश्यक सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद इस रेलखंड पर रेल संचालन की दिशा में अगला कदम बढ़ सकेगा। ऐसे में धार और आसपास के क्षेत्र के रहवासियों को दीपावली के आसपास बड़ी खुशखबरी मिलने की उम्मीद है।

दिसंबर तक इंदौर से धार के बीच रेल सेवा शुरू होने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, नियमित यात्री रेल सेवा शुरू होने की दिनांक रेलवे की अंतिम मंजूरी और परिचालन संबंधी तैयारियों पर निर्भर करेगी। इस रेलखंड पर रेल संचालन शुरू होने से धार जिले को इंदौर से सीधा रेल संपर्क मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के साथ ही आसपास के गांवों और कस्बों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

मंच पर जीवंत हुआ 'ऑपरेशन सिंदूर', विद्यार्थियों ने अभिनय से जगाया देशभक्ति का जज्बा



इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर) के यूजी कैंपस में आयोजित तीन दिवसीय अभिनय एवं रंगमंच कार्यशाला का समापन विद्यार्थियों की प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नाटक के माध्यम से अपनी अभिनय प्रतिभा, भावाभिव्यक्ति और देशभक्ति की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया।

बीबीए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से आयोजित इस कार्यशाला में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर प्रस्तुत नाटक में 'ऑपरेशन सिंदूर' के राष्ट्रीय महत्व और देशभक्ति के भावों को मंच पर जीवंत करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से दर्शकों के सामने विषय की भावनात्मक एवं नाटकीय अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को अभिनय एवं रंगमंच की विभिन्न विधाओं से परिचित कराया गया। इसमें संवाद अदायगी, चेहरे के भाव, शारीरिक भाषा, मंच पर प्रस्तुति और भावाभिव्यक्ति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रख्यात अभिनय प्रशिक्षक राजेंद्र तिवारी ने संवादात्मक सत्रों, व्यावहारिक अभ्यासों और प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मंच के भय से उबरने, आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा रंगमंच को कहानी कहने और रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित किया।

पीआईएमआर (यूजी) के निदेशक कर्नल डॉ. एस. रमन अय्यर ने कहा कि यह कार्यशाला संस्थान की अनुभवात्मक शिक्षा एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का हिस्सा थी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके संवाद कौशल, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सीखने और अपनी क्षमताओं को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं।

कार्यशाला समन्वयक डॉ. भारती मलुकानी और सुनील बिलथरिया ने कहा कि इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा को पहचानने और उसे मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि रंगमंच विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सामूहिक कार्यक्षमता, भावनात्मक अभिव्यक्ति और प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम है। कार्यशाला में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और समापन पर उनकी प्रस्तुति इस बात का प्रमाण रही कि अनुभव आधारित गतिविधियां विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एक दिवसीय युवा संगम कार्यक्रम

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर - रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला 2 नवम्बर को

इन्दौर। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा आगामी 02 नवम्बर 2026 (सोमवार) को एक दिवसीय ÷युवा संगम÷ रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास पोलोग्राउंड में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

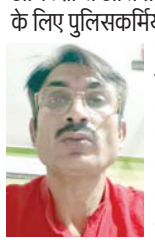
उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी। जिसमें टैलेंटारा , जस्ट डायल, शिफाली बिजनेस सोल्यूशन, मोजेक वर्क स्किल, मेड प्लस आदि के 250 से अधिक रिक्त पदों के प्रारंभिक चयन हेतु उपस्थित रहेंगे। इन संस्थाओं में कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, एचआर एग्जीक्यूटिव, बैक ऑफिस एग्जीक्यूटिव, एचआर रिक्रूटर, सिलाई, ऑपरेटर, क्वालिटी इंस्पेक्टर, प्रोडक्शन इंजीनियर, आकाउंट एग्जीक्यूटिव, फेक्ट्री हेल्पर, सर्विस एसोसिएट, फिल्ड बिनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव, फिल्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, वेयरहाउस एसोसिएट, वेयरहाउस ऑडिटर, डिस्पैच, हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी, आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि द्वारा आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे।

उक्त रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष तक के ऐसे आवेदक भाग ले सकते हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 8वीं से लेकर स्नातकोत्तर, आईटीआई एवं डिप्लोमा है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियाँ साथ लाने की अपील की गई है। जिला रोजगार कार्यालय ने युवाओं से युवा संगम कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

समाजसेवी पुष्पराज ने की पुलिस की सराहना

सीधी। छुहिया घाटी में पुलिस अभिरक्षा से आरोपी को छुड़ाने के लिए पुलिसकर्मियों की आंखों



में मिर्ची झोंकने और बंदूक दिखाकर हमला करने की सनसनीखेज घटना में सीधी पुलिस की कार्रवाई की समाजसेवी एवं मिश्रा बीज भंडार के संचालक पुष्पराज मिश्रा ने सराहना की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी सहित पूरी पुलिस टीम को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस ने गंभीर चुनौती के बावजूद अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर कानून-व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापामार कर गांजा सहित आरोपियों को किया गिरफ्तार

सीधी। जिले के छह थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में कुल 6 प्रकरण पंजीबद्ध कर 18 किलो 185 ग्राम गांजा एवं हरे गांजे के पौधे जब्त किये गये तथा आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया। थाना बहरी में 8 किलो 200 ग्राम हरे गांजे के पौधे, थाना मझौली में 8 किलो 503 ग्राम हरे गांजे के पौधे, थाना कोतवाली में 400 ग्राम गांजा, थाना चुरहट में 300 ग्राम गांजा, थाना रामपुर नैकिन में 332 ग्राम गांजा, थाना कमर्जी में 450 ग्राम गांजा जब्त किया। सभी छह प्रकरणों में एनडीपीएस एक्ट के तहत संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एनसीएल परिवार ने किया सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन

सीधी (ब्यूरो)

शनिवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर एनसीएल परिवार ने देश के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल के अमूल्य योगदान को नमन किया।



एनसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी/संचालन) आशुतोष द्विवेदी, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना), संजय कुमार मिश्रा, कंपनी जेसीसी सदस्य, सीएमओएआई प्रतिनिधि, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एनसीएल कर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को अक्षुण्ण रखने के लिए योगदान देने की शपथ ली। साथ ही उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल के दूरदर्शी विचारों और उनके महान कार्यों से प्रेरणा लेकर देश में सौहार्द और एकजुटता का संदेश घर-घर तक पहुँचाने तथा राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने हेतु प्रयास करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर एनसीएल महाप्रबंधक (मानव संसाधन/कल्याण), राजेश त्रिवेदी ने कंपनी मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों में भी राष्ट्रीय एकता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

डीआईजी ने वार्षिक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश

सीधी (ब्यूरो)

उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा रेंज, रीवा हेमंत चौहान द्वारा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के नेतृत्व में जिला सीधी पुलिस का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिले में पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। पुलिस लाइन में वाहन शाखा, क्वार्टर गार्ड एवं रक्षित निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी की उपस्थिति में आयोजित सैनिक



सम्मेलन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक के पश्चात पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कार्यालय का निरीक्षण कर अभिलेखों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

अधिवक्ता हितों की सहायता राशि के वितरण में पारदर्शिता जरूरी : दीपू

सीधी (ब्यूरो)

जिला अधिवक्ता संघ सीधी के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सदस्य प्रदीप कुमार सिंह बघेल ने संघ के अध्यक्ष एवं सचिव को आवेदन देकर विगत अवधि में अधिवक्ताओं एवं उनके आश्रित परिजनों को प्रदान की गई मृत्यु सहायता एवं चिकित्सा सहायता राशि का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने 1 अगस्त 2025 से 30 सितंबर 2026 तक की अवधि में मृत्यु एवं चिकित्सा सहायता प्राप्त करने वाले अधिवक्ताओं की संख्या, स्वीकृत एवं वितरित राशि, लंबित एवं निरस्त आवेदनों के कारण तथा सहायता वितरण से संबंधित नियमावली और पात्रता के मापदंडों की जानकारी भी मांगी है। इसके साथ ही सहायता राशि के वितरण संबंधी कार्यकारिणी के प्रस्तावों एवं लेखा परीक्षण ऑडिट रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।



सेवानिवृत्त 38 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई



सीधी (ब्यूरो)

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से अक्टूबर माह के अंत में महाप्रबंधक सहित 38 कर्मी सेवानिवृत हुए। इन कर्मियों के सम्मान में शनिवार को एनसीएल मुख्यालय में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे विनीत सिंह, महाप्रबंधक, राम औतार कोइर, कार्यालय अधीक्षक तथा दुदिल, सहायक पर्यवेक्षक को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सीएमडी एनसीएल, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका दीर्घकालीन सेवाकाल और अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कर्मियों की सेवाओं के प्रति सदैव आभारी रहती है और एनसीएल हर परिस्थिति में सेवानिवृत हो रहे कर्मियों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को परिवार के साथ तनावमुक्त, स्वस्थ एवं सुखद जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दीं।

अतुल सिंह का राज्य स्तरीय कबड्डी में चयन

सीधी (ब्यूरो)



जिले के प्रतिष्ठित एकलव्य पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल हड़बड़ो के विद्यार्थियों ने खेल जगत में एक बार फिर विद्यालय सहित संपूर्ण जिले का गौरव बढ़ाया है। 70वीं शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत बीते 17 अक्टूबर 2026 को रीवा में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ी ने ऐतिहासिक और अद्वितीय प्रदर्शन किया। अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और असाधारण प्रतिभा की बदौलत विद्यालय के होनहार खिलाड़ी अतुल सिंह का चयन सीधे राज्य स्तरीय कबड्डी 17 वर्ष प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

युवा उत्सव में एसआईटी कॉलेज की छात्राओं ने लहराया परचम



सीधी (ब्यूरो)

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर को जिला स्तरीय युवा उत्सव ओपन का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों ने कला, संगीत, साहित्य एवं रचनात्मक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की डिग्री यूनिट एसआईटी कॉलेज सीधी की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदया उपस्थित रहीं। साथ ही कला, संगीत एवं नाट्य क्षेत्र से जुड़े अनुभवी निर्णायक एवं विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। एसआईटी कॉलेज की छात्राओं ने समूह लोकगीत, चित्रकला पेंटिंग एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणामों में छात्राओं ने शानदार उपलब्धियां हासिल कीं।

दो छात्राएं राज्य स्तरीय कराते स्पर्धा में भाग लेने इंदौर रवाना

सीधी। स्थानीय एसजीएसएस स्कूल गणेश स्कूल पडरा की दो छात्राओं ने खेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय की छात्रा कैरिश गुप्ता और अंकिता शुक्ला का चयन राज्य स्तरीय शालेय कराते प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दोनों छात्राएं अंडर-14 बालिका वर्ग में रीवा संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता 2 से 5 नवंबर तक इंदौर में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शनिवार को विद्यालय के प्राचार्य ने दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए स्कूल से इंदौर के लिए रवाना किया। छात्राओं को रवाना करते हुए श्रीगणेश ग्रुप के एकेडमिक डायरेक्टर एवं विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' का समापन



सीधी (ब्यूरो)

पुलिस विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' अभियान का समापन आज कन्या महाविद्यालय सीधी में प्रशस्ति-पत्र वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यशाला के सफल आयोजन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा तथा पुलिस की कार्यप्रणाली के संबंध में जागरूक किया गया था। साथ ही उन्हें थाना कोतवाली का भ्रमण कराकर पुलिस व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान की गई। समापन समारोह में युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार एवं कानून के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने का संदेश देते हुए इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

डीपीएस विंध्य नगर में जेआरसी इकाई का शुभारंभ



बैढ़न। डी पी एस विंध्यनगर में आज 30 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता के साथ जूनियर रेडक्रॉस (जेआरसी) इकाई का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ. जनार्दन पांडेय के कुशल नेतृत्व तथा प्रधानाध्यापिका श्रीमती इभा पांडेय एवं विद्यालय समन्वयक श्रीमती शुभा महाजन के निर्देशन में प्रथम गतिविधि के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी आयोजित किया गया। जेआरसी समन्वयक श्रीमती प्रतिभा दुबे एवं एनसीसी के केयर टेकर अधिकारी श्रीमती कुकशालन कार्यक्रम का संचालन किया। एवं उनके विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की।

कमलेश्वर पटेल के स्वागत में नौगढ़ में उमड़ा जनसैलाब



सीधी (ब्यूरो)

कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संभागीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में शामिल होने सिंगरौली पहुंचे पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल के स्वागत में नौगढ़ वार्ड क्रमांक 45 में जनसैलाब उमड़ पड़ा। अमित द्विवेदी (पूर्व महामंत्री) पीसीसी एवं पार्षद रामगोपाल पाल के नेतृत्व में फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया गया। पारंपरिक कलश यात्रा और महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने इस आयोजन को खास बना दिया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 99 प्रतिशत किसान लाभान्वित

बैढ़न। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से योजना की 24वीं किस्त का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खातों में 18 हजार 680 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रत्यक्ष अंतरण किया गया। योजना के माध्यम से सिंगरौली जिले के 99 प्रतिशत पंजीकृत किसानों को भी आर्थिक सहायता का लाभ प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का लाइव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित किसानों एवं अधिकारियों ने देखा और सुना। इस अवसर पर एसएलआर मान सिंह आर्मो, उप संचालक कृषि मनोज सिंह, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. जय सिंह, अखिलेश सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विधायक ने दिलाई एकता की शपथ



सीधी (ब्यूरो)

राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में आयोजित हुई 'रन फॉर यूनिटी'सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम, बैढ़न में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक राम निवास शाह, प्रभारी कलेक्टर संघप्रिय, पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम., नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, अपर कलेक्टर पी.एस. त्रिपाठी, एसडीएम सुरेश जाधव, नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, पार्षद सीमा जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। रन फॉर यूनिटी दौड़ में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक श्री राम निवास शाह ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। सभी ने देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने, स्वयं को राष्ट्रहित के लिए समर्पित करने तथा देशवासियों के बीच आपसी सद्भाव और एकता का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय समारोह आज

- राज्य मंत्री श्रीमती राधा रानी सिंह होंगी मुख्य अतिथि

सीधी (ब्यूरो)

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवम्बर को सिंगरौली जिले में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम बैढ़न स्थित अटल सामुदायिक भवन, बिलौंजी तेलियान में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। समारोह में राज्य मंत्री श्रीमती राधा रानी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस प्रदेश के



गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रदेश की उपलब्धियों एवं विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। जिला प्रशासन सिंगरौली ने जिले के समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से समारोह में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रशासन ने सभी से कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराने का अनुरोध किया है।

[खेल] ग्राम झखरावल में ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन का शसक्त माध्यम : विधायक

सीधी (ब्यूरो)

विधानसभा क्षेत्र सिहावल के ग्राम झखरावल में आयोजित ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक विश्वामित्र पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, शारीरिक क्षमता और खेल भावना का परिचय दिया। विधायक ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में



इस प्रकार के आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाडयिों को आगे बढने का अवसर मिलता है। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन एवं मनोरंजन का शसक्त माध्यम है उन्होंने सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

थाना अमिलिया में मनाई सरदार पटेल की जयंती

सीधी। जिले के सिहावल जनपद अंतर्गत अमिलिया थाना परिसर में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गयाए जिसे थाना परिसर में मौजूद पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने देखा। गौरतलब है कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की आजादी के बाद 500 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

युवा समाजसेवी ने प्रेसवार्ता में समस्याओं के निराकरण की मांग



सीधी (ब्यूरो)

चितरंगी विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न स्थानीय समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर युवा समाजसेवी लक्ष्मण बैंस ने प्रेसवार्ता आयोजित की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित जिम्मेदारों का ध्यान आकृष्ट कराया तथा इनके निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। प्रेसवार्ता के दौरान लक्ष्मण बैंस ने क्षेत्रीय विकास, आमजन की परेशानियों और स्थानीय स्तर पर व्याप्त समस्याओं को सामने रखते हुए जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को सार्वजनिक मंच पर उठाकर उनके समाधान की दिशा में पहल करना जरूरी है, ताकि आमजन को राहत मिल सके और क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित हो।

यूक्रेन के निप्रो रेलवे स्टेशन पर रूस का ड्रोन हमला, 13 यात्रियों की मौत; 10 घायल



नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के निप्रो रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह रूस द्वारा किए गए घातक ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। यह हमला स्टेशन के उस प्लेटफॉर्म पर हुआ, जहां एक ट्रेन खड़ी थी।

प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन पर हमला- यूक्रेनी रेलवे ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट जारी करते हुए बताया कि हमला अत्यधुनिक जेट पावर्ड ड्रोन के जरिए किया गया। जेट ड्रोन ने स्टेशन के उस प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया, जहां ट्रेन नंबर 866 (निप्रो-जापोरिजिया) खड़ी थी।%

अधिकारियों के मुताबिक इलाकों में हाई अलर्ट जारी होने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे, जिसके चलते घायलों और मृतकों की संख्या बढ़ गई। निप्रो के मेयर बोरिस फिलाटोव ने इसे शहर के लिए बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा कि रूसी ड्रोन ने जानबूझकर आम नागरिकों की इलेक्ट्रिक पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाया है।

जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग की- इस हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की अपील की।

सोशल साइट ङ्क पर जेलेंस्की ने लिखा, रूस ने तनाव कम करने के बजाय, कुछ रूसी उद्योगपतियों और ऊर्जा क्षेत्र से प्रतिबंध हटाए जाने के बाद से हमारे लोगों पर कितने आतंकवादी हमले किए हैं?

परिवहन नेटवर्क पर रूस के बढ़ते हमले

यूक्रेन के सरकारी रेल ऑपरेटर के अनुसार, पिछले महीने रविवार को यूक्रेन-पोलैंड सीमा के पास एक रूसी ड्रोन ने एक ट्रेन पर हमला किया था। यह घटना तब हुई, जब ब्रिटेन और स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्रियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी वहां से गुजरे थे।

रूस के नए जेट-पावर्ड ड्रोन, जिन्हें मार गिराना मुश्किल होता है, शॉपिंग सेंटर, पेट्रोल पंप, पावर प्लांट और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। रेलवे भी इससे अछूता नहीं है।

यह हमला यूक्रेन के महत्वपूर्ण परिवहन बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के रूस के बढ़ते अभियान को दर्शाता है। यूक्रेन के सरकारी रेल ऑपरेटर ने बताया कि अकेले 2026 में रूस ने 1700 से अधिक रेल सुविधाओं पर हमला किया है, जिनमें स्टेशन, इंजन और यात्री डिब्बे शामिल हैं।

इजरायल में बैलेट वोटों की गिनती पूरी, मगर किसी को नहीं मिला बहुमत... नेतन्याहू के सामने अब क्या विकल्प?



नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल में हुए आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट में किसी को भी स्पष्ट बहुमत मिलने की उम्मीद नहीं है। वहीं अरब पार्टियों ने 18-19 सीटें जीत सकती हैं, यह पार्टियां अब सत्ता पाने के लिए एक बड़ा विकल्प बनकर उभरी हैं।

आम चुनावों में किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से सत्ता तक पहुंचने का रास्ता कठिन हो गया है। इसके बाद देश में एक लंबी और जटिल राजनीतिक सौदेबाजियों का दौर शुरू होने की संभावना है।

चुनावी प्रक्रिया और परिणामों का शेड्यूल- इजरायल की केंद्रीय चुनाव समिति वोटों की गिनती में जुटी हुई है। आधिकारिक नतीजे 4 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इस गिनती प्रक्रिया में देश के भीतर डाले गए वोटों के साथ-साथ इजरायली सैनिकों, राजनयिकों, अस्पतालों और जेलों में मौजूद मतदाताओं के लगभग 5 लाख एब्सेंटी बैलेट (अनुपस्थित मतदाताओं के मत) भी शामिल हैं। बैलेट वोटों की गिनती पूरी की जा चुकी है।

इजरायली संसद, जिसे नेसेट कहा जाता है, में सीटें आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत आवंटित की जाती हैं। नेसेट में प्रवेश पाने और सीटें हासिल करने के लिए किसी भी पार्टी को कुल राष्ट्रीय मतों का कम से कम 3.25 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

वर्तमान चुनाव में लगभग एक दर्जन पार्टियों के इस आंकड़े को पार करने की संभावना है, जिसके कारण सीटों के अंतिम बंटवारे और गणित को सुलझाने में समय लग रहा है।

क्या है सीटों का गणित?

120 सीटों वाली इजरायली संसद (नेसेट) में किसी भी दल या गठबंधन को सरकार बनाने के लिए न्यूनतम 61 सीटों के बहुमत की आवश्यकता होती है।

स्थानीय मीडिया और शुरुआती रुझानों के अनुमान के मुताबिक-

नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गुट- संसद में लगभग 53 सीटें जीतने की स्थिति में है, जो बहुमत के जादुई आंकड़े से 8 सीटें कम है।

विपक्षी दल (गादी आइसेनकोट के नेतृत्व में)- लगभग 48 सीटें हासिल कर रहे हैं।

अरब-नेतृत्व वाले दल- लगभग 18 से 19 सीटें जीतने की राह पर हैं।

चूंकि किसी भी पक्ष को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है, इसलिए इजरायल एक बार फिर गंभीर राजनीतिक अनिश्चितता और गतिरोध के दौर से गुजर रहा है।

विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों से गर्माई सियासत

अंतिम नतीजों से ठीक पहले राजनीतिक माहौल तब और गरमा गया जब केंद्रीय चुनाव समिति के प्रमुख ने शिन बेट (खुफिया एजेंसी) को कथित विदेशी हस्तक्षेप की जांच करने का निर्देश दिया।

दीपावली से पहले सरकार ने दिया बड़ा तोहफा, सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का किया गठन; अधिसूचना जारी



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्डों (सोशल सिक्योरिटी बोर्ड) के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि ये बोर्ड सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत गठित किए गए हैं और इनका उद्देश्य करोड़ों असंगठित श्रमिकों, गिग वर्कर्स तथा प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए कल्याणकारी योजनाओं की सिफारिश और निगरानी करना होगा।

मंत्रालय ने बताया कि इन बोर्डों की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री करेंगे। इनमें केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के अलावा एग्रीगेटर कंपनियों, उद्योग जगत, नागरिक समाज संगठनों, श्रमिक संगठनों तथा गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।

ऑल इंडिया न्यू पेंशन स्कीम एम्प्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष ने की तारीफ- राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की अधिसूचना जारी करने पर ऑल इंडिया न्यू पेंशन स्कीम एम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल ने इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसके लिए की तारीफ श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

डॉ. मंजीत पटेल ने एक्स पर लिखा- भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के साथ-साथ डिजिटल गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की आधिकारिक अधिसूचना जारी करना एक बेहद ऐतिहासिक, दूरदर्शी और सराहनीय कदम है।

ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लॉइज फेडरेशन (ढ्ढह्वक्रश्वस्त्र) इस क्रांतिकारी निर्णय का सहर्ष स्वागत करता है।

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध खत्म करने के पक्ष में भारत, UN में प्रस्ताव का किया समर्थन



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें क्यूबा पर अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को समाप्त करने की मांग की गई है। भारत ने दोहराया कि इन प्रतिबंधों को हटाया जाना चाहिए, ताकि कैरेबियाई देश अपनी विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा कर सके।

193 सदस्य देशों वाली महासभा ने बुधवार को इस प्रस्ताव को अपनाया। इसमें 130 देशों ने पक्ष में, 17 ने विरोध में मतदान किया, जबकि 25 देश मतदान से दूर रहे।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की काउंसलर सौम्या नायर ने भारत की ओर से कहा कि महासभा ने बार-बार इन प्रतिबंधों को खत्म करने की मांग की है।

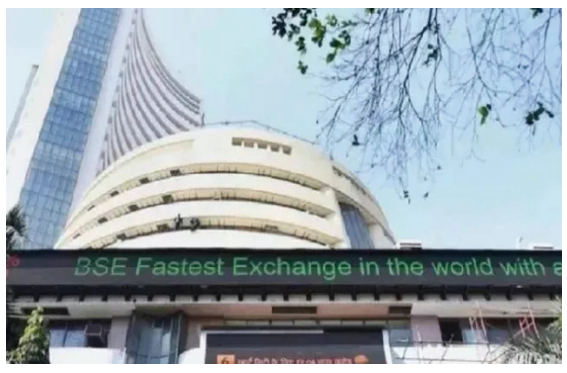
महासभा ने ऐसे कानूनों और नियमों को भी खारिज किया है, जिनका असर देश की सीमाओं के बाहर तक होता है और जो अन्य देशों की संप्रभुता तथा वहां के लोगों की प्रगति और समृद्धि पर बुरा असर डालते हैं।

उन्होंने कहा, भारत, महासभा की उस अपील को दोहराता है, जिसमें सभी देशों से कहा गया है कि वे ऐसे कानूनों और उपायों को लागू करने से बचें, और संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करते हुए, ऐसे कानूनों को रद और अमान्य करें।

नायर ने कहा, बहुपक्षवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता इस विश्वास पर आधारित है कि अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप, बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सबसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

इसी भावना के साथ भारत उम्मीद करता है कि प्रतिबंध जल्द से जल्द हटा लिए जाएंगे, ताकि एक ऐसा माहौल बन सके जिसमें क्यूबा के लोग अंतरराष्ट्रीय सहयोग में पूरी तरह से भाग ले सकें और अपनी विकास संबंधी जायज आकांक्षाओं को पूरा कर सकें।

भारतीय शेयर बाजार में दूसरे दिन भी रौनक, सेंसेक्स 308 अंक उछला, निफ्टी 23053 पर बंद



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के अंतिम कारोबारी वाले दिन निफ्टी 23000 के स्तर के ऊपर रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 591.55 अंक या 0.79 प्रतिशत उछलकर 74,742.59 पर पहुंच गया। निफ्टी 181.35 अंक या 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,118.10 पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद इसमें थोड़ी गिरावट देखी गई।

ब्रेंट क्रूड 2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 117 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसकी वजह यह चिंता है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य हमले शुरू कर सकता है, जिससे इस क्षेत्र में नई उथल-पुथल मच सकती है और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

बाजार बंद होने पर, सेंसेक्स 308.49 अंक या 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,459.53 पर, और निफ्टी 116.35 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,053.10 पर बंद हुआ। इस दौरान 1233 शेयरों में तेजी आई, 2788 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 146 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

किन शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी और किनमें दिखी गिरावट- निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और सन फार्मा शामिल थे, जबकि अडानी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, अडानी एंटरप्राइजेज, एमएंडएम और कोल इंडिया में गिरावट देखने को मिली।

सेक्टरों की बात करें तो, आईटी इंडेक्स में 2.5त्न और फार्मा इंडेक्स में 1.7त्न की तेजी आई। वहीं, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी और मीडिया सेक्टर में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही, जबकि ऑटो, निफ्टी बैंक, पीएसयू बैंक और एफएमसीजी सेक्टर में 0.5त्न की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

क्या बोले एक्सपर्ट- जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के हेड ऑफ रिसर्च विनोद नायर ने कहा कि लगातार बनी महंगाई की चिंताओं के कारण इक्विटी मार्केट दबाव में रहा। फेड के साथ-साथ ECB और BoJ ने भी ब्याज दरों को स्थिर रखा, जबकि AI वैल्यूएशन को लेकर नई चिंताओं का असर एशियाई बाजारों पर भी दिखा।उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव की नई खबरों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में और तेजी आई, जिससे बाजार का सेंटिमेंट और कमजोर हो गया।

इसके चलते मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखने को मिली। लार्ज-कैप शेयरों ने अपेक्षाकृत बेहतर मजबूती दिखाई, जिसे ढ्ढञ्ज सेक्टर का सहारा मिला। ग्लोबल ढ्ढ शेयरों से पैसा निकालकर चुनिंदा ढ्ढञ्ज शेयरों में निवेश किया गया। वहीं, अच्छे नतीजों और डिफेंसिव डिमांड के चलते फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी रही।

सेहत से जुड़ा सवाल पूछने पर भड़के ट्रंप, रिपोर्टर से बोले- तुम्हारी हालत बहुत खराब लग रही है



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति उस वक्त गुस्से में आ गए जब उनसे एक रिपोर्टर ने उनकी सेहत से जुड़ा सवाल पूछा। सेहत से जुड़े सवाल पर झुंझलाए राष्ट्रपति ने उस संवाददाता का ही मजाक बना दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब पत्रकार ने पूछा कि दो अमेरिकी राज्यों में चुनाव प्रचार रद क्यों हुए हैं क्या इसके पीछे की वजह उनका स्वास्थ्य है तो वो गुस्सा गए। उन्होंने रिपोर्टर से ही कहा कि वो सही शेप में नहीं है। उन्होंने कहा कि उसे अपनी सेहत पर ध्यान देना चाहिए।

गुस्साए ट्रंप ने पत्रकार से ही कहा तुम ऐसे सवाल पूछ रहे हो, तुम बीमार हो। तुम सच में बीमार हो। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति पिछले कई हफ्तों से मिडटर्म चुनाव प्रचार के सिलसिले में कई राज्यों का दौरा कर रहे हैं। ये चुनाव तय करेंगे कि उनके कार्यकाल के बचे हुए दो सालों में उनकी सरकार किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

जब पत्रकार ने साफ किया कि वो बस राष्ट्रपति की सेहत के बारे में पूछ रहे थे, तो ट्रंप और भी ज्यादा गुस्सा हो गए। उन्होंने पत्रकार के शारीरिक रूप-रंग पर टिप्पणी कर दी। उन्होंने पत्रकार की नकल उतारी और कहा कि वो बिल्कुल भी शेप में नहीं हैं।

ट्रंप ने अपनी अच्छी सेहत का दावा करते हुए कहा कि इस आदमी को देखो। इसका शरीर बिल्कुल भी ठीक नहीं है। तुम दो हफ्तों से मेरे पीछे पड़े हो। मैं एकदम फिट महसूस कर रहा हूं। उन्होंने वहां नहीं जाने के बारे में बताया कि वो कैनसस इसलिए नहीं जा रहे क्योंकि उनका वहां जाने का मन नहीं है।

अमेरिका के कोलोराडो में पहाड़ पर हाइक के दौरान लापता हुए थे दो छात्र, अब मिला शव



नई दिल्ली (एजेंसी)। हाइकिंग ट्रिप के दौरान जान गंवाने वाले कोलोराडो के दो कॉलेज छात्रों के शव गुरुवार को हेलीकॉप्टर की मदद से बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि तेज हवाओं के कारण शवों को नीचे लाने के प्रयासों में देरी हुई।

19 वर्षीय काडेन मात्सुदा और 20 वर्षीय जैक्सन डॉनलोन बुधवार को वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के बर्फ से ढके एक हिस्से में मिले। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, अगले दिन दोपहर करीब 1 बजे ग्राउंड क्रू (जमीनी बचाव दल) ने उनके शवों को वहां से निकाला। मात्सुदा और डॉनलोन पिछले शुक्रवार को कोलोराडो माउंटेन कॉलेज के लीडविले कैंपस से निकले थे। वे आइस माउंटेन (4,254 मीटर ऊंची चोटी) की यात्रा पर जा रहे थे, लेकिन इसी दौरान वे लापता हो गए। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, जब उन्होंने हाइकिंग शुरू की तब बारिश हो रही थी। शनिवार सुबह मौसम कुछ देर के लिए साफ हुआ, लेकिन दोपहर में एक भीषण तूफान आ गया, जिससे वहां 2 फुट (0.6 मीटर) तक बर्फ जमा हो गई।

उनके रविवार तक वापस आने की उम्मीद थी, लेकिन सोमवार सुबह कॉलेज के कर्मचारियों ने उनके लापता होने की सूचना दी। आखिरकार, एस्पेन से लगभग 100 मील (160 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व में, वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के एक बेसिन में उनके शव मिले। शवों को मृत्यु की जांच करने वाले अधिकारी के कार्यालय ले जाया गया, जहां सोमवार को उनका पोस्टमार्टम होगा।

भविष्य बनाने की आस में आए थे दोनों कॉलेज के कैंपस डीन, बेन केर्न्स ने एक बयान में कहा कि वे छात्र यहां सीखने, नई चीजें खोजने और अपना भविष्य बनाने आए थे। उनकी जिंदगी में बहुत संभावनाएं थीं। जो छात्र, शिक्षक और कर्मचारी उन्हें जानते हैं वे उनके जाने से गहरे दुख में हैं। कोलोराडो माउंटेन कॉलेज, जिसके कैंपस पूरे कोलोराडो रॉकीज क्षेत्र में फैले हुए हैं, अपने उन प्रोग्राम्स के लिए जाना जाता है जो राज्य की मजबूत आउटडोर मनोरंजन अर्थव्यवस्था पर केंद्रित हैं। इनमें पर्वतारोहण, स्की पेट्रोल और गाइडिंग जैसे करियर शामिल हैं।

कॉलेज ने दी जानकारी कॉलेज के एक बयान के अनुसार, मात्सुदा वाइल्डलैंड फायरफाइटर (जंगलों में लगने वाली आग बुझाने वाले) बनने की पढ़ाई कर रहे थे। उनके सहपाठियों और शिक्षकों ने उन्हें दयालु, बुद्धिमान और मिलनसार बताया। डॉनलोन, जिन्हें पहाड़ों पर चढ़ने (क्लाइम्बिंग) और स्कीइंग का बहुत शौक था, आउटडोर रिक्रिएशन लीडरशिप की पढ़ाई कर रहे थे। वे पहाड़ों के प्रति अपने इसी लगाव के कारण कोलोराडो आए थे।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट: भारत में तेजी से मिट रहा गरीबी का नामोनिशान, लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने गरीबी में बीते एक दशक में दुनिया की सबसे तेज गिरावट में से एक दर्ज की है और देश में 2011 से 2023 के बीच करीब 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह जानकारी वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में दी गई।

क्या कहती है वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट-वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया कि 2011 से 2023 के बीच निम्न-मध्यम आय वर्ग (4.2 डॉलर प्रति दिन, 2021 पीपीपी) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गई है।

अत्यधिक गरीबी (3.00 डॉलर प्रतिदिन) से नीचे रहने वालों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट में देश में गरीबी में गिरावट की मुख्य वजह खपत में मजबूत वृद्धि, रोजगार में बढ़ोतरी (विशेषकर महिलाओं के बीच), और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक हस्तांतरणों के विस्तार को बताया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में कमी आने का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, हालांकि इसकी गति थोड़ी धीमी रहेगी। 4.20 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा पर के नीचे रहने वाले लोगों की जनसंख्या में हिस्सेदारी 2026 में 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, जैसे-जैसे गरीबी कम हुई, यह उन परिवारों के बीच अधिक केंद्रित होती गई, जिनका शिक्षा का स्तर कम था, जिनके पास संपत्ति कम थी, जिन्हें स्थिर रोजगार के अवसर कम मिले थे और जिन पर आश्रितों का बोझ अधिक था। हालांकि, वेतन में असमानता अभी भी काफी अधिक है। 2023 में, सबसे अधिक कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की मीडियन कमाई, सबसे कम कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की तुलना में लगभग 13 गुना थी।

इसके अतिरिक्त, हाल के समय में, 2017 से 2023 के बीच, रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई। यह कामकाजी उम्र की आबादी में हुई वृद्धि का लगभग दोगुना है। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के वेतन वाले काम में आने से आया है, जिससे प्रति परिवार कमाने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है।

रहस्यमयी मौत से पहले बांग्लादेश के पूर्व एयरफोर्स ऑफिसर ने पॉडकास्ट में क्या कहा था?



नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को ढाका में तुराग नदी के पास बांग्लादेश वायु सेना के एक पूर्व अधिकारी का शव मिला। कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने एक पॉडकास्ट में उन आरोपों पर सवाल उठाए थे, जिनमें कहा गया था कि अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़कर भागने का वीडियो उन्होंने ही रिकॉर्ड और वायरल किया था।

28 साल के पूर्व फ्लाइट लेफ्टिनेंट तहसीफ सौरी एक दिन पहले ही लापता हुए थे। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में उनके शरीर पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं मिले, हालांकि उनकी नाक से खून निकल रहा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

हसीना सरकार के गिरने के लगभग एक साल बाद सौरी को सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया गया था। उनकी मौत के बाद एक पॉडकास्ट इंटरव्यू फिर से चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने उन आरोपों पर बात की थी कि 5 अगस्त 2024 को हसीना के बांग्लादेश छोड़ने का फुटेज उन्होंने ही रिकॉर्ड करके फैलाया था।

आरोपों के बारे में पूर्व अधिकारी ने क्या कहा था- ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, इंटरव्यू के दौरान होस्ट ने एक मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हसीना के देश छोड़ने का फुटेज कुर्मीटोला हवाई अड्डे पर रिकॉर्ड किया गया था और इसे सौरी ने ही फैलाया था।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि उनका नाम बांग्लादेश वायु सेना के भीतर रिसर्च एंड एनालिसिस विंग की कथित संलिप्तता की जांच से जोड़ा गया था।

आरोपों का जवाब देते हुए, सौरी ने कहा कि रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फ्लाइट लेफ्टिनेंट रिफत अशरफी ने वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे आगे फैलाया।

उन्होंने इस दावे के पीछे के सबूतों पर सवाल उठाया कि उन्होंने फुटेज शेयर की थी। उन्होंने कहा, भले ही मैंने वीडियो रिकॉर्ड किया हो या उसे फैलाया हो, उनके पास इसका क्या सबूत है? मैं यही पूछना चाहता हूं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या इन आरोपों की वजह से उन्हें वायु सेना से निकाला गया, तो सौरी ने कहा कि ऐसा हो सकता है, लेकिन उन्होंने उस समय हुई घटनाओं का विवरण देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सब कुछ नहीं बता सकता, और कुछ ऐसी बातें हैं जिन पर मैं चर्चा नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि उन्होंने इन आरोपों की वजह से ही ऐसा किया।

हसीना के देश छोड़ने के वीडियो आरोपों पर बोले- सौरी ने यह भी कहा कि रिपोर्ट छपने के बाद उन्हें सामाजिक शर्मिंदगी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट की हेडलाइन और उसे पेश करने के तरीके ने पाठकों के बीच उनके बारे में एक गलत धारणा बना दी।

राज्यसभा के लिए हरदीप पुरी ने भरा नामांकन, सीएम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समेत कई नेता रहे मौजूद

पुरी के नाम 20 करोड़ का मकान पत्नी के नाम विदेशों में भी संपत्ति

हरदीप सिंह पुरी ने शपथ पत्र में दिया संपत्ति का ब्योरा,पत्नी के नाम अमेरिका के बैंक में 2.90 लाख डॉलर जमा, भारत में दोनों के नाम कुल 29 करोड़ की अचल संपत्ति

भोपाल (ब्यूरो)

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए दाखिल नामांकन के साथ दिए शपथ पत्र में अपनी और पत्नी की देश-विदेश में स्थित संपत्तियों का ब्योरा दिया है। इसके अनुसार, भारत में उनके नाम नई दिल्ली के वेस्ट एंड इलाके में 20 करोड़ रुपये का मकान है। वहीं, उनकी पत्नी के नाम ग्रेटर नोएडा में 9 करोड़ रुपये का मकान और स्विट्जरलैंड में 30 लाख स्विस फ्रैंक (3 मिलियन स्विस फ्रैंक) मूल्य का अपार्टमेंट है। इस तरह भारत में पुरी और उनकी पत्नी के नाम घोषित अचल संपत्ति का वर्तमान बाजार मूल्य 29 करोड़ रुपये है। विदेश में स्थित अचल संपत्ति पत्नी के नाम स्विट्जरलैंड में है। शपथ पत्र में इसका वर्तमान बाजार मूल्य 30 लाख स्विस फ्रैंक बताया गया है।

दिल्ली में जनवरी 2005 में खरीदा गया था मकान

हरदीप सिंह पुरी के नाम नई दिल्ली के वेस्ट एंड में बी-17, प्रथम तल पर आवासीय संपत्ति है। इसका कुल क्षेत्रफल 630 वर्ग मीटर और निर्मित क्षेत्रफल 285.08 वर्ग मीटर है। इसे जनवरी 2005 में 2.50 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। शपथ पत्र में इसका वर्तमान बाजार मूल्य 20 करोड़ रुपये बताया गया है।

स्विट्जरलैंड में पत्नी का 30 लाख फ्रैंक का अपार्टमेंट: पुरी की पत्नी के नाम स्विट्जरलैंड में अपार्टमेंट है। इसका क्षेत्रफल 311 वर्ग मीटर है। इसे मार्च 2006 में 16 लाख स्विस फ्रैंक में खरीदा गया था। शपथ पत्र में इसका वर्तमान बाजार मूल्य 30 लाख स्विस फ्रैंक घोषित किया गया है। यह विदेश में दर्ज उनकी पत्नी की अचल संपत्ति है।

पत्नी के नाम ग्रेटर नोएडा में 9 करोड़ रु. का मकान

पुरी की पत्नी के नाम उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सेक्टर और भूखंड के विवरण के साथ मकान दर्ज है। यह 750 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में है और इसका निर्मित क्षेत्रफल 400 वर्ग मीटर है। इसे अगस्त 2009 में 19 लाख 52 हजार 760 रुपये में खरीदा गया था। इसके विकास और निर्माण पर 42 लाख 38 हजार 798 रुपये का निवेश बताया गया है। वर्तमान बाजार मूल्य 9 करोड़ रुपये घोषित किया गया है।

भारत के कई बैंकों में भी पत्नी के नाम जमा है लाखों रुपए

शपथ पत्र के अनुसार, पुरी की पत्नी के नाम न्यूयॉर्क स्थित यूनाइटेड नेशंस फेडरल क्रेडिट यूनियन के दो खातों में कुल 2 लाख 90 हजार 658 अमेरिकी डॉलर जमा हैं। इसके अलावा भारत में उनके नाम बैंक ऑफ इंडिया में 96 लाख 42 हजार 378 रुपये, कैनरा बैंक में 6 लाख 42 हजार 246 रुपये और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना में 30 लाख रुपये जमा हैं।

दोनों की चल संपत्ति 17.20 करोड़ रुपए से अधिक

शपथ पत्र में पुरी की चल संपत्ति 6 करोड़ 54 लाख 74 हजार 335 रुपये और पत्नी की चल संपत्ति 10 करोड़ 66 लाख 9 हजार 314 रुपये बताई गई है। पत्नी के नाम इसके अतिरिक्त 2 लाख 90 हजार 658 अमेरिकी डॉलर की विदेशी बैंक जमा भी अलग से दर्ज है।

प्रदेश के विकास में लाभकारी होगा पुरी का अनुभवः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पुरी ने गुरुद्वारे में मत्था टेका, करुणा धाम में लिया आशीर्वाद

भोपाल (ब्यूरो)



केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए विधानसभा भवन पहुंचकर नामांकन दाखिल किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, दोनों उप मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार के कई मंत्री-विधायक मौजूद रहे। मंत्री कृष्णा गौर पुरी की प्रस्तावक बनीं। पुरी सुबह करीब 11:30 बजे विधानसभा भवन पहुंचे। इससे पहले उन्होंने गुरुद्वारे में मत्था टेका और करुणा धाम आश्रम पहुंचकर संत सुदेश शांडिल्य महाराज से आशीर्वाद लिया। **दिवाली से पहले प्रदेश को मिलेगा सांसद का उपहार : मुख्यमंत्रीः** नामांकन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश को हरदीप सिंह पुरी जैसे अनुभवी, वरिष्ठ और कुशल नेतृत्व का साथ मिल रहा है। भारत सरकार में मंत्री और कुशल प्रशासक के रूप में पुरी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका व्यापक प्रशासनिक अनुभव और कार्यकुशलता केंद्र सरकार के साथ-साथ मध्यप्रदेश के विकास के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी।

रास चुनाव में अनोखे दावेदार, कांते सयन्ना ने भी लिया नामांकन फॉर्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नामांकन के बीच एक और दावेदार चर्चा में आ गया है। तेलंगाना के कांते सयन्ना ने भी मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव लड़ने के लिए नामांकन फॉर्म लिया है। सयन्ना देश के अलग-अलग राज्यों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए पहचाने जाते हैं। उनके चुनावी सफर के बारे में दावा है कि वे अब तक 10 से अधिक राज्यों में 50 से ज्यादा चुनाव लड़ चुके हैं। सयन्ना का कहना है कि वे किसी राजनीतिक दल के भरोसे चुनाव नहीं लड़ते, बल्कि अपनी जेब से खर्च उठाकर चुनाव में उतरते हैं और जमानत राशि भी स्वयं जमा करते हैं। वे इससे पहले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भी अपनी उम्मीदवारी पेश कर चुके हैं।

पुरी की उम्मीदवारी पर उमंग सिंघार ने उठाए सवालः केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने निशाना साधा है। उन्होंने पुरी के नामांकन को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनाव होने के बावजूद उन्हें वहां से टिकट तक नहीं मिला और वे मध्यप्रदेश से नामांकन भरने पहुंच गए। सिंघार ने एपस्टीन फाइल्स के खुलासों का जिक्र करते हुए पुरी पर मीडिया से बचते हुए नामांकन दाखिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि यदि उनका दामन साफ है तो वे सवालों से क्यों बच रहे हैं और इन आरोपों पर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना

भोपाल सहित चार महानगरों में अगले साल तक 2500 नई बसें चलाने की तैयारी

भोपाल (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत प्रदेशभर में बसों के संचालन की तैयारी अब और तेज हो गई है। भोपाल, ग्वालियर, सागर और जबलपुर को केंद्र बनाकर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लिए बस संचालन के मार्ग निर्धारित कर दिए गए हैं। वहीं इन मार्गों की अधिसूचना भी जारी हो चुकी है, अब इन पर बसें चलाने के लिए निजी बस ऑपरेटरों से प्रस्ताव (ईओआई) आमंत्रित किए जाएंगे। परिवहन विभाग ने अगले एक वर्ष में 2500 बसें सड़कों पर उतारने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें संचालित करने की योजना है। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह के अनुसार, अगले एक वर्ष में 2500 बसें चलने लगेंगी। इसके लिए निर्धारित मार्गों पर निजी बस ऑपरेटरों को बस संचालन का अवसर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संचालन के लिए परिवहन प्राधिकरण का गठन महत्वपूर्ण है। इधर प्राधिकरण के गठन और पुनर्गठन का मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण बस संचालन के लिए ईओआई जारी करने सहित अन्य प्रक्रियाएं लगभग दो माह से आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। लेकिन अब न्यायालय से मामले का निराकरण होने के बाद गुरुवार को प्राधिकरण का पुनर्गठन कर दिया गया है। जिससे प्रक्रिया में तेजी आई है।

परिवहन विभाग ने तेज की तैयारी, नए रूट तय, अब निजी बस ऑपरेटरों से मांगे जाएंगे प्रस्ताव

अभी हो रहा है 351 बसों का संचालन : मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत 25 सितंबर को हुई थी। पहले चरण में प्रदेश के सात शहरों से कुल 351 बसों का संचालन शुरू किया गया है। इनमें इंदौर की 145, भोपाल की 106, जबलपुर की 67, रीवा की 18, देवास की 10, कटनी की तीन और भिंड की दो बसें शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज

अरेरा हिल्स समेत 35 इलाकों में आज बिजली गुल रहेगी



भोपाल। राजधानी के करीब 35 इलाकों में रविवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें अरेरा हिल्स, सर्वधर्म कॉलोनी, रोशनपुरा, दानिश हिल्स, सेमरी, सांईनाथ कॉलोनी, अमरनाथ कॉलोनी, कांकरिया, अमरावत, शांतिनगर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। बिजली कंपनी द्वारा जारी शटडाउन प्लान के अनुसार रविवार को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बैंक कॉलोनी, मीरा कॉम्पलेक्स, अंबर कॉम्पलेक्स एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक दानिश हिल्स व्यू टाउनशिप, सागर ग्रीन हिल्स, अमरनाथ कॉलोनी, सर्वधर्म, सीआई पार्क व्यू, सांईनाथ कॉलोनी, एजी क्लॉसिक, नेताजी हिल्स एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली नगर, आईटी पार्क एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक अरेरा हिल्स, लॉ चैंबर एवं आसपास। सुबह 11 से शाम 5 बजे तक आदित्य एवेन्यू, सूरज नगर एवं आसपास। दोपहर 12 से 2 बजे तक यूनीहोम कॉलोनी, कांकरिया, इनायतपुर, सेमरी, इमलिया,देहरीकला, सुरैया नगर, अमरावत एवं आसपास के इलाके। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक ग्वाल मोहल्ला, रोशनपुरा, मालवीय नगर, जीवन सागर अपॉर्टमेंट, काशी कॉम्पलेक्स, यादवपुरा एवं आसपास। दोपहर 2.30 से शाम 5 बजे तक मानसरोवर कॉम्पलेक्स, जीआरपी कॉलोनी, शांति नगर, 7 नंबर मार्केट एवं आसपास के क्षेत्र में बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी।

बीएमएचआरसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित

भोपाल। आईसीएमआर-भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में 26 अक्टूबर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला थे। मुख्य अतिथि ऋषि कुमार शुक्ला ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई की शुरुआत स्वयं की सत्यनिष्ठा और आचरण से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल तकनीक से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता।

भोपाल में खिचड़ी प्रसादी वितरण, श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

परम पूज्य श्री श्री 1008 बजरंग दास जी महाराज की प्रेरणा से मानव सेवा का आयोजन





भोपाल, 31 अक्टूबर 2026। धार्मिक आस्था, सेवा और समर्पण की भावना के साथ भोपाल में शनिवार को खिचड़ी प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परम पूज्य श्री श्री 1008 बजरंग दास जी महाराज की पावन प्रेरणा से यह आयोजन वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स जस्टिस एडवोकेसी काउंसिल (WHRJC), मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन एवं श्री सद्गुरु दादाजी परिवार, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में WHRJC के डायरेक्टर डॉ. श्रीकांत अवस्थी सहित संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी प्रसादी वितरित की गई। लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर इस सेवा कार्य की सराहना की। आयोजन के दौरान सेवा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य धार्मिक सेवा के साथ मानवता, आपसी सहयोग और जरूरतमंदों की सेवा की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों के अनुसार, यह सेवा अभियान आगे भी शनिवार को जारी रहेगा। खिचड़ी प्रसादी वितरण के लिए दो स्थान निर्धारित किए गए हैं। पहला आयोजन सायं 4 बजे सौभाग्य नगर स्थित मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन के कार्यालय में तथा दूसरा सायं 6 बजे मां भवानी शिव हनुमान मंदिर, सुभाष कॉलोनी, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। डॉ. श्रीकांत अवस्थी एवं आयोजक परिवार ने सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों और क्षेत्रवासियों से इस सेवा कार्य में सहभागी बनने तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करने की अपील की।

निवेदकः मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन श्री सद्गुरु दादाजी परिवार, भोपाल।

सच्चे दिन. जनहित की निष्पक्ष आवाज

मंदिर जाते समय बुजुर्ग महिला से बाइक सवारों ने झपटी सोने की चेन

सिरोजिया अग्रवाल धर्मशाला के पास दिया वारदात को अंजाम

भोपाल (ब्यूरो)

कोतवाली थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने शनिवार सुबह मंदिर जा रही 62 साल की बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। वारदात जैन मंदिर रोड स्थित सिरोजिया अग्रवाल धर्मशाला के पास हुई। बदमाशों ने महिला को निशाना बनाया और चेन झपटने के बाद बाइक से फरार हो गए। झपटी गई चेन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जामुन वाली गली पुराना पोस्ट ऑफिस इतवारा निवासी ओमवती गुप्ता पत्नी स्वर्गीय द्वारिकाधीश गुप्ता (62) शनिवार सुबह पीरगेट स्थित माता मंदिर में पूजा करने जा रही थीं। सुबह करीब सात से साढ़े सात बजे के बीच वह जैन मंदिर रोड पर सिरोजिया अग्रवाल धर्मशाला के पास पहुंचीं। इसी दौरान सामने से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने अचानक उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन खींच ली। महिला कुछ समझ पातीं, इससे पहले ही आरोपी तेज रफ्तार से बाइक चलाते हुए जैन मंदिर की तरफ भाग निकले। अचानक हुई वारदात से महिला घबरा गईं। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस घटनास्थल के आसपास और मुख्य मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि वारदात के बाद आरोपी आसपास के रास्तों से फरार हुए हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

प्राचार्यों से लेकर BRCC की नाकामी, ड्रॉप बॉक्स में दर्शित बच्चों के अपग्रेडेशन में पिछड़े

जिला शिक्षा केंद्र ने पत्र लिखकर काम पूरा करने के दिए निर्देश

भोपाल (ब्यूरो)

ऑनलाइन यू-डाईस सत्र 2026-27 में ड्रॉप बाक्स में दर्शित बच्चों का स्टेट्स अपडेशन में भोपाल पिछड़ गया है। इसके पीछे जिम्मेदारों की लापरवाही सामने आई है। अब इस मामले में जिला शिक्षा केंद्र ने बीआरसी से लेकर संकुल प्राचार्यों, हेड मास्टरों और जन शिक्षकों तक को पत्र लिखकर समय से इस काम को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। डीपीसी सिद्धार्थ कुमार जैन द्वारा लिखे गए पत्र में लिखा है कि लोक शिक्षण संचालनालय, राज्य शिक्षा केंद्र व जिला स्तर द्वारा समय-समय पर ऑनलाइन यू-डाईस के ड्रॉप बाक्स में दर्शित बच्चों का स्टेट्स अपडेशन कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये जाते रहे हैं, किन्तु भोपाल जिले की शालाओं द्वारा उक्त कार्य को गंभीरतापूर्वक नहीं लिया जा रहा है।

कार्य की महत्ता को नजर अंदाज किये जाने से इस सत्र 2026-27 में भी ऑनलाइन यू-डाईस में ड्रॉप बाक्स में 34,675 बच्चे प्रदर्शित हो रहे हैं, जिसके कारण वरिष्ठ कार्यालय द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की जा रही है। जबकि ऐसे बच्चों की बड़ी



संख्या है। इस कारण समय-सीमा में कार्य किये जाने की बाध्यता होने से मिशन मोड के तहत विशेष अभियान चलाकर सर्वप्रथम ऑनलाइन यू-डाईस सत्र 2026-27 में ड्रॉप बाक्स में दर्शित बच्चों का स्टेट्स अपडेशन कार्य पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए आपकी सुविधा के लिए राज्य शिक्षा केंद्र से जारी विकास खण्डवार शालाओं की जानकारी इस पत्र के साथ प्रेषित की गई है। इस कारण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर उक्त कार्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें अनुशासनहीनता की स्थिति में कार्यवाही की जाएगी।

शाला त्यागी बच्चों को किया जाना था चिन्हित

जानकारी के अनुसार जो बच्चे ड्रॉप आउट यानी शाला त्याग चुके हैं। ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाना था। पता यह किया जाना था कि यह बच्चे वर्तमान में किसी अन्य विद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं या फिर पूरी तरह से स्कूलों से दूर हैं। अफसरों का कहना है कि बच्चों कि संख्या के अनुपात में ही स्कूलों की नीतियों का निर्माण किया जाता है। अब जब सही संख्या नहीं होगी तो यह काम भी बाधित होगा।

इनका कहना...

समय-समय पर ऑनलाइन यू-डाईस के ड्रापबाक्स में दर्शित बच्चों का स्टेट्स अपडेशन कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये जाते रहे है, लेकिन यह काम समय पर नहीं किया गया। नतीजतन पत्र लिखा गया है।

सिद्धार्थ कुमार जैन, डीपीसी, भोपाल,

मंदिर जा रही वृद्धा की सोने की चेन झपटी, नकाबपोश बदमाश फरार

भोपाल (ब्यूरो)

कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह मंदिर में पूजा करने जा रही 65 वर्षीय ओमवती गुप्ता के गले से बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। चेन का वजन 17 ग्राम और कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई गई है।

एएसआई राजेंद्र यादव के मुताबिक इतवारा स्थित आम वाली मस्जिद के पास रहने वाली ओमवती गुप्ता शनिवार सुबह भवानी चौक स्थित कर्फ्यू वाली माता मंदिर जा रही थीं। सुबह करीब सवा सात बजे वह गुजरपुरा रोड पर सिरोजिया धर्मशाला के पास पहुंचीं तभी सामने से बाइक पर आए दो बदमाशों ने अचानक उनके गले पर झपट्टा मारकर चेन खींच ली। वारदात के बाद आरोपी जैन मंदिर की ओर भाग निकले। वृद्धा घर पहुंचीं और अपनी बहू को घटना की जानकारी दी।

बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत, दोस्त घायल

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। नर्मदापुरम रोड की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे केतन बघेल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान शनिवार तड़के करीब चार बजे एम्स में उनकी मौत हो गई।

महाराष्ट्र मंडल, गौतम नगर के सभागार में हुआ आयोजन

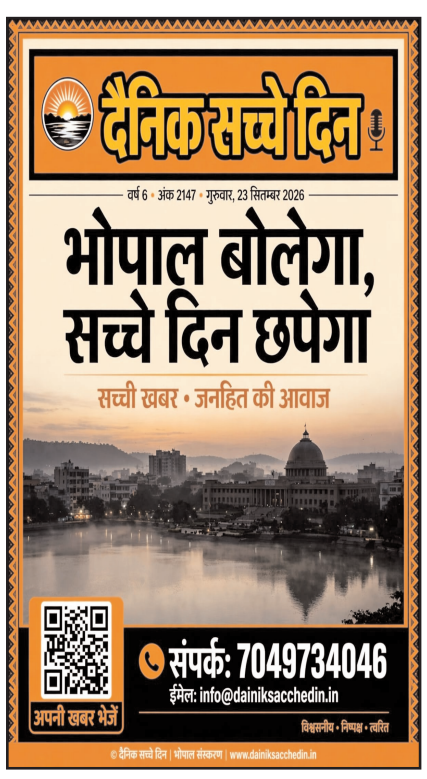
कोजागिरी पौर्णिमा पर सजी सुरों की महफिल, गीतों ने बांधा समां

भोपाल (ब्यूरो)



चित्पावन संघ मध्यप्रदेश की ओर से 31 अक्टूबर को महाराष्ट्र मंडल, गौतम नगर के सभागार में कोजागिरी पौर्णिमा का संगीतमय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन उन्नयन विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंकशे वायनगणकर थीं। विशेष अतिथि के रूप में उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी के उपनिदेशक शेखर करहाडकर और प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावार उपस्थित रहीं। संघ के अध्यक्ष मिलिंद साठे, सचिव सायली आप्टे और मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी वीणा घाणेकर ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद राम म्यूजिकल इवेंट्स और चित्पावन संघ के संयुक्त तत्वावधान में संगीत संध्या आयोजित हुई। इसमें कलाकारों ने मराठी और हिंदी के लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा रचित प्रसिद्ध गीत 'जयोस्तुते' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।





स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक , प्रकाशक **साहबजादा अब्दुल रशीद खान** द्वारा आर.के. एण्ड प्रिंटर्स 7 नीम वाली सड़क जिंसी जहांगीराबाद भोपाल म.प्र.482008 से मुद्रित तथा 424, मेहंदी वालीगली, तलैया भोपाल म.प्र. 462001 से प्रकाशित।
सम्पादक- अज़रा बैगम (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI No. MPHIN/2021/82412